सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 199 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 3 मई 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

बीएसपी का लोहा चोरी कर ले जाते आरोपी गिरफ्तार, कार में छिपाकर ले जा रहा था लोहा

भिलाई। सीआईएसएफ के जवानों ने भिलाई स्टील प्लांट के अंदर से लोहा चोरी करके ले जाते हुए एक आरोपी को पकड़ा है। ष्ट्रढ्ढस्स्न ने चोरी के लोहे से भरी कार और आरोपी को भट्ठी पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लोहा और कार को जब्त किया है। वहीं आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

भट्ठी थाना टीआई केके कुशवाहा ने बताया कि बीएसपी की सीआईएसएफ यूनिट से जानकारी मिली थी कि एक आरोपी कार में चोरी का लोहा लेकर भाग रहा है। इसके बाद पुलिस की टीम ने सीआईएसएफ के साथ मिलकर कार का पीछा किया। सीआईएसएफ के जवान कामद कुमार ओझा ने कार को बीआरपी एरिया में रोका। इसके बाद उसने अपने प्रभारी को सूचना दी। कार की तलाशी लेने पर बीच की सीट के नीचे एक बॉक्स छिपाया गया था जिसमें लोहे के 14 हैमर भरे हुए थे। आरोपी की पहचान स्टेशन मरोदा निवासी खिलेश्वर साहू (22) के रूप में हुई है।

भट्ठी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी खिलेश्वर साहू ने अपनी कार को इस तरह से बनवाया था कि उसके अंदर 2-3 क्विंटल लोहा आसानी से आ जाए। उसने कार में बीच की सीटी के नीचे एक बॉक्स बनाया था और उसमें संयंत्र के भीतर आरएमपी 3 एरिया से 220 किलोग्राम लोहे की प्लेट चोरी करके छिपाया था। इसके बाद कार को जोरातराई गेट से बाहर ले जा रहा था। इसी दौरान सीआईएसएफ के जवान को शंका हुई और उसने कार का पीछा करके उसे रुकवाय।

कोरोना की रफ्तार हुई धीमी, 24 घंटे में 200 कोरोना मरीज मिले

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना की रफ्तार कम होती दिख रही है। पिछले कुछ दिनों से कोरोन वायरस में गिरावट दर्ज की गई है। छत्तीसगढ़ शासन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग राज्य कंट्रोल एंड कमांड सेंटर ने कोरोना बुलेटिन जारी किया है।

जिसमें छत्तीसगढ़ में 4262 लोगों की सैम्पलों जांच हुई है। वहीं, 200 कोरोना संक्रमित मरीज मिले है। प्रदेश की औसत पॉजिटिविटी दर 4.69 प्रतिशत है। प्रदेश में 25 जिला से कोरोना संक्रमित पाए गए और शेष जिलों में कोरोना का कोई नया मामला नहीं आया है।

यहां देखें जिलेवार आंकड़ा

कबीरधाम से 2, जांजगीर-चांपा से 2, बस्तर से 2, कोरबा से 2, सरगुजा से 2, बीजापुर से 3, बेमेतरा से 3, रायगढ़ से 3, दंतेवाड़ा से 4, नारायणपुर से 5, धमतरी से 6, सूरजपुर से 6, महासमुंद से 8, जशपुर से 9, बिलासपुर से 10, गौरेला पेंड्रा मरवाही से 10, बालोद से 10. कांकेर से राजनांदगांव से 17, रायपुर से 18, बलौदाबाजार से 19, दुर्ग से 15, 19 कोरिया से 21 कोरोना संक्रमित पाए गए. वहीं शेष जिलों में कोरोना का कोई नया मामला नहीं आया है।

रायपुर रेलवे स्टेशन में मेगा ब्लॉक, 65 एक्सप्रेस ट्रेने रायपुर की जगह उरकुरा से होकर गुजरेंगी, 20 पैसेंजर ट्रेनें रद्द

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के व्यस्ततम रेलवे स्टेशन रायपुर में अगले कुछ दिनों तक यात्री ट्रेनें नहीं जा सकेंगी। यानी रायपुर रेलवे स्टेशन पर यात्री ट्रेनों की एंट्री पर ब्रेक लग जाएगा। दरअसल रेलवे प्रशासन द्वारा अधोसंरचना विकास के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के रायपुर- रायपुर आरवीएच के बीच दूसरी रेललाइन एवं रायपुर यार्ड का आधुनिकरण का कार्य किया जाएगा। यह कार्य 04 मई से 10 मइ यानी 7 दिन तक किया जाएगा।

इसके रायपुर स्टेशन पर ट्रेनों को नहीं लिया जाएगा रायपुर स्टेशन के स्थान पर उरकुरा स्टेशन पर अस्थाई ठहराव दिया गया है। रेल यात्रियों को उरकुरा एवं रायपुर स्टेशनों के मध्य बसों की सुविधा। ब्लॉक के दौरान आवश्यक जानकारी के लिए यात्रियों की सुविधा के लिए रायपुर रेल मंडल द्वारा हेल्पलाइन नंबर 138 एवं 0771-2252500 भी जारी किया गया है। पूछताछ केंद्र एवं हेल्प बूथ पर भी यात्रियों के लिए सभी जानकारी उपलब्ध रहेगी।

रायपुर की जगह उरकुरा होकर जाएंगी ट्रेनें

रायपुर रेलवे स्टेशन में मेगा ब्लॉक के कारण 65 एक्सप्रेस ट्रेनों का रूट बदल दिया गया है। इनमें रायपुर से होकर गुजरने वाली सभी महत्वपूर्ण ट्रेनें शामिल हैं। इसके अलावा कुछ ट्रेनों को नागपुर से ही डायवर्ट किया जा रहा है। रेलवे ने 45 ट्रेनों को सरोना से उरकुरा होते हुए चलाने का निर्णय लिया है। वहीं 20 ट्रेनें ऐसी भी हैं जिनका रूट पूरी तरह से बदलकर एक नए रूट से चलाया जाएगा।

25 ट्रेनों का बदला शेड्यूल, देरी से होंगी रवाना

रायपुर रेलवे स्टेशन में मेगा ब्लॉक के चलते 25 ट्रेनों को देर से रवाना किया जाएगा। इन ट्रेनों को 2 से 4 घंटे तक रीशेड्यूल किया जा रहा है। रेलवे द्वारा अचानक लिए गए इस मेगा ब्लॉक का असर रायपुर के साथ दुर्ग व बिलासपुर के यात्रियों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

- परिवर्तित मार्ग व देर से चलने वाले ट्रेनों की सूची 6 नंबर पेज पर देखें।

रद्द होने वाली गाडियां

- 4 मई, 2023 को बिलासपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08727 बिलासपुर-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी।
- 4 मई, 2023 को रायपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08729 रायपुर-डोंगरगढ़ मेमू स्पेशल रद्द रहेगी।
- 4 मई, 2023 को दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08718 दुर्ग-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी।
- 4 मई, 2023 को रायपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08725 रायपुरङ्कदुर्ग मेमू स्पेशल रद्द रहेगी।
- 5, 7, 8 एवं 10 मई, 2023 को रायपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08701 रायपुर-दुर्ग मेमू स्पेशल रद्द रहेगी।
- 5, 07, 08 एवं 10 मई, 2023 को दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08702 दुर्ग-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी ।
- 5 मई, 2023 को डोंगरगढ़ से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08730 डोंगरगढ़-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी।
- 9 एवं 10 मई, 2023 को रायपुर एवं दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08703/ 08704 रायपुर-दुर्ग-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी।
- 9 मई, 2023 को रायपुर एवं दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08707/ 08708 रायपुर-दुर्ग-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी।
- 9 मई, 2023 को रायपुर एवं दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08717/ 08718 रायपुर-दुर्ग-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी।
- 9 मई, 2023 को रायपुर एवं दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08725/ 08726 रायपुर-दुर्ग-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी।
- 9 मई, 2023 को बिलासपुर एवं रायपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08719 बिलासपुर-रायपुर एवं 08721 रायपुर-डोंगरगढ़ मेमू स्पेशल रद्द रहेगी।
- 9 मई, 2023 को गोंदिया से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08724 गोंदिया-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी।
- 9 मई, 2023 को बिलासपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08727 बिलासपुर-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी।
- 4 से 09 मई, 2023 तक टिटलागढ़ से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08277 टिटलागढ़-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी।
- 5 से 10 मई, 2023 तक रायपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08278 रायपुर-टिटलागढ़ मेमू स्पेशल रद्द रहेगी।
- 8 मई, 2023 को विशाखापटनम से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18530 विशाखापटनम-दुर्ग एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 9 मई, 2023 को दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18529 दुर्ग-विशाखापटनम एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 9 मई को रायपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08275 रायपुर-जूनागढ़ रोड पेसेजर स्पेशल रद्द रहेगी।
- 10 मई को जूनागढ़ रोड से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08276 जूनागढ़ रोड-रायपुर पेसेजर स्पेशल रद्द रहेगी।

नशे में धुत कार चालक ने युवक को सड़क पर घसीटा, बाल बाल बची जान, लोगों ने कर दी ड्राइवर की जमकर धुनाई

- **तारबाहर थाना क्षेत्र की घटना, मौके पर पहुंची पुलिस ने चालक को छुड़ाया**

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर में बीती रात नशे में धुत कार चालक ने पैदल चल रहे एक युवक को चपेट में ले लिया और सड़क पर कई मीटर तक घसीटता रहा। कुछ दूरी पर एक खंबे से टकराकर कार रुकी तो लोगों ने युवक को किसी तरह कार की बोटन से बाहर निकाला। हादसे में युवक बाल बाल बच गया वहीं लोगों ने कार चालक की जमकर धुनाई कर दी और उसका पूरा नशा उतार दिया। इस दौरान कार चालक के साथ एक युवती भी सवार थी जिसे लोगों ने घेरे रखा।

मिली जानकारी के अनुसार घटना बिलासपुर के तारबाहर थाना क्षेत्र का है। मंगलवार की रात को कार चालक एक युवती के साथ था। इस दौरान सड़क पर पैदल चल रहे एक युवक को कार चालक ने ठोकर मार दी। युवक नीचे गिरा और कार की बोनट में फंस गया। कार चालक इसके बाद भी कार को चलाता रहा और युवक कार के साथ सड़क पर घसीटता रहा। लगभग 20 से 25 मीटर तक कार युवक को ऐसे ही घसीटता रहा इस दौरान कार से फंसा युवक मदद के लिए चिल्ला रहा था।

कुछ दूरी पर एक खंबे से टकराकर कार रुक गई और आसपास के लोग जमा हो गए। लोगों ने युवक को किसी तरह से बाहर निकला। गनीमत यह रही कि युवक को किसी प्रकार की चोट नहीं आई। इधर हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने कार चालक को उतारा और जमकर पिटाई की। इस दौरान कार सवार युवती को भी लोगों ने घेर लिया था। घटना की सूचना के बाद पुलिस पहुंची और कार चालक को लोगों के चंगुल से छुड़ाया। कार चालक व युवती को पुलिस थाने ले गई और कार चालक पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

सीमा पर सुरक्षा होगी तगड़ी, घुसपैठ से बढ़ रहे अपराधों पर अंकुश लगाने का फैसला

मिजोरम (एजेंसी)। असम राइफल्स ने मिजोरम में भारत-म्यांमार सीमा के 510 किलोमीटर लंबे हिस्से पर चौकसी बढ़ाने का फैसला किया है। यह निर्णय इसलिए लिया गया है ताकि पड़ोसी देश से अवैध प्रवासियों को आने से रोका जा सके। गौरतलब है, म्यांमार में इस साल फरवरी में सेना के तख्तापलट के बाद लोग बड़े पैमाने पर सीमा पार कर चुके हैं। अधिकतर भारतीय इलाके में पहुंचे हैं। इनमें दर्जनों पुलिस वाले भी शामिल हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 15 हजार से ज्यादा शरणार्थी मिजोरम, नागालैंड और मणिपुर में पहुंच चुके हैं। म्यांमार के चिन

राज्य के साथ मिजोरम की 510 किमी लंबी सीमा सटी है।

बढ़ रहीं आपराधिक घटनाएं

असम राइफल्स के एक अधिकारी ने कहा कि पड़ोसी देश में एक सैन्य तख्तापलट के बाद म्यांमार के लोगों ने पूर्वोत्तर राज्य में शरण लेना शुरू कर दिया है। इससे राज्य में हत्या के साथ ही आपराधिक घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। उन्होंने चिंता व्यक्त कर कहा कि हमने अवैध घुसपैठ को रोकने के लिए भारत-म्यांमार सीमा पर अधिकतर क्रॉसिंग को बंद करने का फैसला लिया है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि म्यांमार के चिन राज्य में कई समूह भारत में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त हैं। अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश और म्यांमार दोनों से कई शरणार्थियों या अवैध प्रवासियों ने नकली भारतीय पहचान पत्र भी हासिल कर लिए हैं। बता दें, मिजोरम बांग्लादेश के साथ 318 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। इस सीमा की सुरक्षा बीएसएफ कर रहा है।

बिना फिटनेस और टैक्स के अब टोल से गुजरना पड़ेगा मंहगा, शुरू हुआ ई-डिटेक्शन सिस्टम

- **परिवहन विभाग द्वारा ऑटोमैटिक चालान की व्यवस्था**
- **बिना दस्तावेजों के साथ चलने वाले वाहनों पर कार्यवाही की तैयारी**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार अब बिना फिटनेस , टैक्स और बिना दस्तावेज के चलने वाले वाहनों पर सख्ती करने की तैयारी में हैं। प्रदेश के सभी नेशनल हाईवे में अब ई-डिटेक्शन सिस्टम शुरू किया जा रहा है , जिससे कि बिना

फिटनेस और बिना टैक्स वाले वाहनों के टोल से गुजरने पर ऑटोमैटिक चालान होगा।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा अनुरूप तथा परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश में परिवहन सुविधाओं का सुचारू रूप से क्रियान्वयन हो रहा हैं। मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटना में होने वाले मृत्यु के आंकड़ो को देख कर प्रदेश में रोड एक्सीडेंट कम करने हेतु कार्यवाही करने के निर्देश दिये थे। सड़क दुर्घटना का एक प्रमुख कारण बिना फिटनेस के चलने वाले हैवी गाड़िया है।

मिलेगा टोल नाकों से गुजरने वाले वाहनों का डेटा

छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों पर चलने वाले ऐसे वाहनों का पता लगाने के लिए परिवहन विभाग ने एनआईसी उड़ीसा के सहयोग से ई-डिटेक्शन पोर्टल विकसित किया है। ई-डिटेक्शन पोर्टल का उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्गों पर विभिन्न टोल नाकों से गुजरने वाले वाहनों का डेटा एकत्र करना है। पहले चरण में एनएच पर टोल गेट्स को ई डिटेक्शन पोर्टल से जोड़ा गया है। बाद में खनन और औद्योगिक क्षेत्रों से भी एएनपीआर कैमरे के मदद से डेटा एकत्र किया जाएगा। इस हेतु भी कार्रवाई शुरू कर दी गई है ।

अनफिट गाड़ियो से होने वाली सड़क दुर्घटना कम करने के लिए प्रदेश में परिवहन विभाग की पहल पर राष्ट्रीय राजमार्गों में ई-डिटेक्शन सिस्टम शुरू किए जा रहे है, जो बिना फिटनेस के वाहनों को डिटेक्ट कर ऑटोमैटिक चालानी कार्रवाई करेगा।

गाड़ियों की जानकारी को फास्टैग के माध्यम से प्राप्त किए गए डेटा से एकत्र किया जाएगा और जब कोई वाहन टोल गेट से गुजरेगा तो उसकी तस्वीरें ली जाएंगी। जिस वाहन के पास कानूनी रूप से आवश्यक वैध दस्तावेज नहीं होंगे उसका ई-डिटेक्शन पोर्टल द्वारा स्वचालित रूप से चालान किया जाएगा। चालान एसएमएस के माध्यम से मोबाइल में भेज दिया जाएगा।

परिवहन आयुक्त दीपांशु काबरा द्वारा वाहन स्वामियों से अपील की गई है कि वे फिटनेस, टैक्स, बीमा और पीयूसी के जुर्माने से बचने के लिए वाहन के दस्तावेज अप-टू-डेट रखें। छत्तीसगढ़ के ई-डिटेक्शन पोर्टल विकसित करने में एनआईसी उड़ीसा के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक प्रशांत कुमार नायक, एनआईसी छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक श्रीनिवास राव और साइंटिस्ट अमित देवांगन का विशेष योगदान रहा।

आदिवासियों का सच्चा हितैषी कौन

श्रीकंचनपथ

भारत ही क्यों, किसी भी देश में एक दूसरे के धुर विरोधी दो वर्ग हमेशा रहे हैं। एक वह जिसके पास सबकुछ है और दूसरा वह जिसके पास अपने जीवन के अलावा कुछ भी नहीं है। समाजवाद इन सभी को समान अधिकार देने की बातें करता है जबकि अधिनायकवाद का मानना रहा है कि कुछ लोग हमेशा के लिए नेतृत्व के लिए ही पैदा होते रहे हैं। नेतृत्व करना उनका स्वाभाविक अधिकार है। एक ऐसे ही संपन्न वर्ग के धर्मगुरू ने एक बार भिलाई की अपनी सभा में कहा था कि आदिवासियों को या तो मरना होगा या फिर अपनी जमीन छोड़कर जाना होगा। उन्होंने इसकी वजह भी बताई थी। उन्होंने कहा था कि आदिवासी जिस भूभाग पर काबिज हैं उसमें न केवल धरती के ऊपर बेशकीमती इमारती लकड़ियों के जंगल हैं बल्कि इनके गर्भ में विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक संपदा गड़ी हुई हैं। जब समाज को इसकी जरूरत पड़ेगी तो वर्ग संघर्ष होगा ही और आदिवासियों को अपनी जमीन छोड़नी होगी। यह मुद्दा एक बार फिर छत्तीसगढ़ में मुखर हो गया है। भाजपा के कद्दावर आदिवासी नेता नंदकुमार साय ने मजदूर दिवस पर कांग्रेस का दामन थाम लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा में आदिवासी नेताओं की कोई कद्र नहीं है। उनके साथ छल किया जाता है, उनके खिलाफषड़यंत्र रचे जाते हैं। इसके साथ ही दोनों पार्टियां एक दूसरे के खिलाफ वाकयुद्ध में जुट गई हैं। कांग्रेस ने जहां भाजपा पर आदिवासियों के साथ छल करने का आरोप लगाया वहीं भाजपा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा आदिवासियों का सिर्फ उपयोग किया है और काम निकल जाने के बाद उन्हें फेंक दिया है। राजा तो राजा ही होता है चाहे वह किसी भी दल का हो। वह जनता का अपनी जरूरत के हिसाब से उपयोग करता है। स्वयं भाजपा भी इसका अपवाद नहीं है। पर यहां सवाल इस बात का है कि साय ने आखिर भाजपा का परित्याग क्यों किया। छत्तीसगढ़ में अपनी खोई जमीन तलाशने के लिए क्या भाजपा कोई ऐसा कदम उठाने जा रही है जिससे आदिवासी वर्ग में भय का संचार हो रहा है। कुछ दिन पहले ही केन्द्रीय गृहमंत्री बस्तर प्रवास पर थे। उन्होंने दो टूक कहा कि जल्द ही नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। इसके साथ ही भाजपा की एक नेता ने भी कह दिया कि गृहमंत्री जो कहते हैं, वो करते भी हैं। जनता देख रही है कि चुनाव आते ही नक्सल हिंसा में तेजी आने लगी है। एक तरफ संयुक्त बल लगातार ईनामी नक्सलियों को धराशायी कर रही है तो दूसरी तरफ नक्सली भी लगातार हमला कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश कर रहे हैं। तो क्या बस्तर एक बार फिर अखाड़ा बनने जा रहा है। यदि ऐसा हुआ तो छत्तीसगढ़ का विकास अवरुद्ध हो सकता है। ऐसे में पार्टीगत बतोलेबाजी छोड़कर सभी जिम्मेदारों को गंभीरता पूर्वक विचार करना होगा कि प्रदेश की राजनीति किस दिशा में बढ़ रही है।

संपादकीय

जेल में भी जुर्म

हमारी जेल-व्यवस्था में कुछ सड़ रहा है और इसे उपचार की जरूरत है। यदि जेलों में भी अपराधियों के नख-दंत नहीं टूटे, तो भय से मुक्त समाज का पूरा शीराजा ही बिखर जाएगा।

देश की सबसे चर्चित और सुरक्षित जेलों में शामिल दिल्ली की तिहाड़ जेल में 20 दिनों के भीतर दो दुर्दांत अपराधियों की हत्या बताती है कि इसका सुरक्षा तंत्र किस कदर बाहुबलियों के आगे पंगु दिखने लगा है। अभी ज्यादा दिन नहीं हुए, जब लॉरेन्स बिश्नोई गैंग के गुर्गे प्रिंस तेवतिया की तिहाड़ में हत्या कर दी गई थी, और अब मंगलवार को टिल्लू ताजपुरिया का इसमें कत्ल हो गया। यदि तिहाड़ जैसी केंद्रीय जेल की यह स्थिति है, तो अन्य कारागृहों की हालत का आसानी से अंदाज लगाया जा सकता है। रोहिणी अदालत में गोलीबारी के आरोपी ताजपुरिया की हत्या के जो ब्योरे सामने आ रहे हैं, वे बेहद चौंकाने वाले हैं। उसे बेहद जोखिम वाले वार्ड में रखा गया था, पर हमलावर बाकायदा ग्रिल काटकर उस तक पहुंच गए और जेल की आंतरिक सुरक्षा से जुड़ा तंत्र इन सबसे गाफिल सोया रहा! देश में एक परंपरा सी बनती जा रही है कि जिस तंत्र पर कुख्यात अपराधियों को कानून के हाथों सख्त से सख्त सजा दिलाकर इंसाफ का राज कायम करने की जिम्मेदारी है, उसकी अभिरक्षा में ही दूसरे अपराधी आसानी से कामयाब हो जा रहे हैं!

> करीब 75 फीसदी के मामले विभिन्न स्तरों पर लंबित हैं। ऐसे में, इन जेलों की गुणवत्ता, उनकी सुरक्षा का प्रभावित होना लाजिमी है। शीर्ष अदालत व सरकार को ऐसे कैदियों की रिहाई का वैध रास्ता निकालना चाहिए, जो बिना सुनवाई के आरोपित जुर्म से अधिक समय जेलों में गुजार चुके हैं, या जो उम्र की उस दहलीज पर पहुंच गए हैं, जहां उनसे समाज को खतरा नहीं। तभी हमारी जेलें शातिर लोगों के लिए कैदखाना और मामूली अपराध के आरोपियों के लिए सुधार गृह बन पाएंगी।

जेल की अभिकल्पना सुधार गृह के रूप की गई है और इसमें कोई दोराय नहीं कि बड़ी संख्या में अपनी सजाएं पूरी करके निकले कैदी समाज की मुख्यधारा में लौटे भी हैं, लेकिन हम इस तथ्य से भी आंखें नहीं मूंद सकते कि हमारी जेलों में काफी खामियां हैं और स्थानीय जेल अधिकारियों व कर्मचारियों से सांठगांठ करके रसूखदार सजायाफ्ता या दुर्दांत अपराधी अपना साम्राज्य भीतर से ही चला रहे हैं। वक्त-वक्त पर जेलों में औचक निरीक्षण में बरामद मोबाइल व दूसरी प्रतिबंधित चीजें इसकी तस्दीक करती हैं। अभी ज्यादा दिन नहीं हुए होंगे, जब चित्रकूट जेल में बंद विधायक अब्बास अंसारी के बारे में हैरतअंगेज खुलासे हुए थे। अब्बास पर आरोप है कि वह न सिर्फ जेल से 'मनी लॉड्रिंग' में जुटे थे, बल्कि अपनी बेगम के साथ भी आराम के वक्त गुजारा करते थे। इसी तरह, लोकप्रिय पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या में जिस लॉरेन्स गिरोह का हाथ बताया जाता है, उसका सरगना राजस्थान की जेल में कैद है, और वह भीतर से ही मुंबई तक बॉलीवुड के लोगों को धमकियां देने में कामयाब हो जा रहा है।

इन घटनाओं और खुलासों का सीधा सा अर्थ है कि हमारी जेल-व्यवस्था में कुछ सड़ रहा है, और इसे त्वरित उपचार की जरूरत है। अगर जेल के भीतर भी अपराधियों के नख-दंत नहीं टूटते, तब तो भयमुक्त समाज का पूरा शीराजा ही बिखर जाएगा। सबसे पहले तो जेलों पर कैदियों की तादाद के बढ़ते दबाव का इलाज किया जाना चाहिए। देश की 1,378 जेलों में साढ़े पांच लाख से अधिक कैदी हैं, जबकि इनकी क्षमता लगभग चार लाख कैदियों को रखने की है। इनमें से हजारों ऐसे हैं, जिनका पुरसाहाल पूछने वाला कोई नहीं। करीब 75 फीसदी के मामले विभिन्न स्तरों पर लंबित हैं। ऐसे में, इन जेलों की गुणवत्ता, उनकी सुरक्षा का प्रभावित होना लाजिमी है। शीर्ष अदालत व सरकार को ऐसे कैदियों की रिहाई का वैध रास्ता निकालना चाहिए, जो बिना सुनवाई के आरोपित जुर्म से अधिक समय जेलों में गुजार चुके हैं, या जो उम्र की उस दहलीज पर पहुंच गए हैं, जहां उनसे समाज को खतरा नहीं। तभी हमारी जेलें शातिर लोगों के लिए कैदखाना और मामूली अपराध के आरोपियों के लिए सुधार गृह बन पाएंगी।

छत्तीसगढ़ में सबका बढ़ता मान

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू की गई न्याय योजनाओं से समाज के शोषित वंचित और गरीब तबकों का न केवल मान बढ़ा है बल्कि इन योजनाओं की बयार से बड़ी राहत मिल रही हैं। सरकार किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की सीमा 15 क्विंटल से बढ़ाकर 20 क्विंटल कर दी है। स्वामी आत्मानंद स्कूलों की श्रृंखला और डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना जैसी नवाचारी पहल से लोगों को आसानी से शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रहीं हैं। बेरोजगारों को प्रतिमाह भत्ता मिलना प्रारंभ हो चुका है। इसी तरह से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्कूलों में मध्यान्ह भोजन बनाने वाले रसोइयों की भी चिंता करते हुए उनके मानदेय में वृद्धि कर उनका मान बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने मजदूर दिवस पर श्रमिकों का मान बढ़ाने के लिए कई बड़ी घोषणाएं की हैं। कार्यस्थल पर दुर्घटना मृत्यु में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के परिजनों को मिलने वाली सहायता राशि एक लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए तथा स्थायी दिव्यांगता की स्थिति में इन्हें देय राशि 50 हजार से बढ़ाकर ढाई लाख रुपए करने की घोषणा की। साथ ही अपंजीकृत श्रमिकों को भी कार्यस्थल पर दुर्घटना से मृत्यु होने पर एक लाख रुपए की सहायता प्रदान की जाएगी।

इसी प्रकार श्रमिकों के लिए मासिक सीजन टिकट एमएसटी जारी किया जाएगा, इससे घर से रेल अथवा बस से कार्यस्थल तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी। यह कार्ड 50 किमी तक की यात्रा के लिए मान्य होगा। पंजीकृत निर्माणी श्रमिकों को नवीन आवास निर्माण अथवा क्रय के लिए 50 हजार रुपए का अनुदान और हार्ट सर्जरी, लीवर ट्रांसप्लांट, किडनी ट्रांसप्लांट, न्यूरो सर्जरी, रीढ़ की हड्डी की सर्जरी, पैर के घुटने की सर्जरी, कैंसर, लकवा जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं के अतिरिक्त भी 20 हजार रुपए का अनुदान निर्माणी श्रमिकों को मिलेगा।

छत्तीसगढ़ में शिक्षित बेरोजगारों को 2500 रूपये प्रतिमाह बेरोजगारी भत्ता दिया जा रहा है। इसके लिए सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में 250 करोड़ रूपये का नवीन मद में प्रावधान किया है। बेरोजगारी भत्ता योजना के पात्र पाए गए 66 हजार 256 युवाओं के खाते में 16 करोड़ रूपए की राशि उनके बैंक खाते में अंतरित की गई है। राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना का विस्तार करते हुए इसे नगर पंचायतों में भी लागू किया है। इस योजना में 4 लाख 99 हजार से अधिक लोगों के बैंक खाते में अब तक 476.62 करोड़ की राशि अंतरित की गई है।

सरकार ने अपनी विभिन्न योजनाओं में काम करने वाले कर्मचारियों की भी चिंता करते हुए उनके मानदेय में वृद्धि करने की घोषणा की है। आंगनबाड़ी सहायिका का मानदेय वर्ष 2018 तक 2,500 रूपए प्रतिमाह था, जिसे बढ़ाकर 3,250 रूपए किया गया। वर्ष 2022-2023 में इसे बढ़ाकर 5,000 रूपए कर दिया गया। मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का मानदेय वर्ष 2018 तक 3,250 रूपए प्रतिमाह था, जिसे बढ़ाकर 4,500 रूपए किया गया। वर्ष 2022-23 में इसे बढ़ाकर 7,500 रूपए किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का मानदेय वर्ष 2018 तक 5,000 रूपए प्रतिमाह था, जिसे 6,500 रूपए किया गया। वर्ष 2022-23 में इसे बढ़ाकर 10 हजार रूपए किया गया।

जी.एस. केशरवानी

> इस पोर्टल की परिवर्तनकारी सफलता पूरी अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत है क्योंकि यह 'रत्न' अमृत काल के दौरान दक्षता और विश्वसनीयता को बढ़ा रहा है। खासकर उस समय में जब भारत प्रधानमंत्री मोदी के निर्णायक और दूरदर्शी नेतृत्व में 2047 तक एक विकसित देश बनने की राह पर अग्रसर है।

गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस: एक बहुमूल्य रत्न!

पीयूष गोयल

गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस (जीईएम) ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के अंत में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली। इसके माध्यम से केन्द्र एवं राज्य सरकारों, विभिन्न आधिकारिक एजेंसियों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सहकारी समितियों ने किसी एक वित्तीय वर्ष में 50 लाख ऑनलाइन लेनदेन के जरिए दो लाख करोड़ रुपये (24 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक मूल्य की वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद की। यह समावेशी विकास, पारदर्शिता, दक्षता और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के प्रति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वचनबद्धता का एक उत्कृष्ट प्रमाण है।

जीईएम सही अर्थों में एक रत्न है। इसने पुराने पड़ चुके आपूर्ति और निपटान महानिदेशालय (डीजीएसएंडडी) का स्थान लिया है। उचित रूप से, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के नए कार्यालय भवन, वाणिज्य भवन, का निर्माण उस भूमि पर किया गया है जहां कभी डीजीएसएंडडी हुआ करता था। इस भवन के शिलान्यास समारोह में, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सही ही कहा था: अब 100 साल से अधिक पुराने इस संगठन को बंद कर दिया गया है और इसके स्थान पर डिजिटल तकनीक पर आधारित एक नए निकाय - गवर्नमेंट-ई-मार्केटप्लेस ‌ को लाया गया है। जीईएम ने सरकार द्वारा आवश्यक वस्तुओं की खरीद के तौर-तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है।

अगस्त 2016 में स्थापित होने के बाद से, जीईएम के कामकाज में असाधारण प्रगति हुई है। इस पोर्टल पर होने वाले लेनदेन का कुल मूल्य 2022-23 में लगभग दोगुना होकर पिछले वित्तीय वर्ष में 1.07 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2.01 लाख करोड़ रुपये हो गया। वित्तीय वर्ष 2016-17 में 422 करोड़ रुपये के कारोबार के साथ इसकी अनूठी यात्रा शुरू हुई थी।

इस पोर्टल का शुभारंभ वस्तुओं एवं सेवाओं की सार्वजनिक खरीद को प्रधानमंत्री के 'न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन' के मिशन और सरकारी प्रणालियों को ईमानदार, प्रभावी और सभी के लिए सुलभ बनाने हेतु प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की उनकी रणनीति के अनुरूप ढालने के उद्देश्य से किया गया था।

जीईएम की प्रतिस्पर्धी बोली जैसी पारदर्शी कार्यप्रणालियों ने सरकारी विभागों एवं उपक्रमों को करदाताओं के लगभग 40,000 करोड़ रुपये बचाने में मदद की है। इस तरह की पहलों ने मोदी सरकार को राजकोषीय स्थिति से समझौता किए बिना कल्याणकारी कार्यों पर होने वाले व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि करने में मदद की है।

कई अर्थों में, जीईएम लोगों द्वारा प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के पक्ष में जबरदस्त मतदान किए जाने के बाद से शासन-प्रशासन में लाए गए बदलावों का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है। लोग पिछली सरकार से तंग आ चुके थे, जो हमेशा भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी रहती थी। उस सरकार के कई मंत्रियों के लिए तो विभिन्न अखबारों के मुख्य पृष्ठों पर छपने वाली शर्म और लांछन की रोज की खुराक ही उनकी जीवनशैली का एक आधार थी।

इस संदर्भ में, जीईएम का महत्व वित्तीय दृष्टि से इसकी अभूतपूर्व वृद्धि से कहीं अधिक है और यह अपने-आप में ई-कॉमर्स की किसी भी बड़ी कंपनी को ईर्ष्या से भर देने के लिए काफी है। इस नई प्रणाली ने सदियों पुरानी उन प्रक्रियाओं की जगह ली है जो अक्षमताओं और भ्रष्टाचार से ग्रस्त थीं। सरकारी खरीद अपारदर्शी, काफी समय लेने वाली, बोझिल और भ्रष्टाचार एवं निर्माताओं की गुटबंदी (कार्टेलाइजेशन) में लिप्त हुआ करती थी। केवल कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोग ही प्रवेश संबंधी विशाल बाधाओं को पार कर पाते थे। खरीदारों के पास विशेषाधिकार प्राप्त और अक्सर बेईमान आपूर्तिकर्ताओं से ऊंची एवं बिना मोल-भाव वाली कीमतों पर घटिया सामान खरीदने के अलावा और कोई विकल्प नहीं था। जबकि संभावित विक्रेताओं को सूचीबद्ध होने और फिर समय पर भुगतान पाने के लिए पूरी तरह से सुविधा प्रदान करने वाली एजेंसी की दया पर निर्भर रहना होता था और दर-दर भटकना पड़ता था।

इसके उलट, इस प्रौद्योगिकी-संचालित प्लेटफॉर्म के जरिए विक्रेता पंजीकरण, ऑर्डर देने और भुगतान की प्रकिया में शायद ही कोई मानवीय हस्तक्षेप शामिल होता है। हर कदम पर खरीदार, उसके संगठन के प्रमुख, भुगतान करने वाले अधिकारियों और विक्रेताओं को एसएमएस और ई-मेल के जरिए सूचनाएं दीं जाती हैं।

कागजरहित, नकदरहित और फेसलेस जीईएम की यह प्रणाली खरीदारों को असंख्य विक्रेताओं से सीधे प्रतिस्पर्धी दरों पर वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद करने की आजादी देता है। यह नई प्रतिस्पर्धी प्रणाली प्रधानमंत्री श्री मोदी की डिजिटल इंडिया की पहल पर आधारित क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला एक और कदम है। इसने सार्वजनिक खरीद के तौर-तरीकों को बदल दिया है और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और छोटे व्यापारियों के लिए लोकप्रिय सरकारी आर्डर हासिल करना संभव बनाया है।

ठोस आंकड़े और तीसरे-पक्ष द्वारा किए गए व्यावहारिक विश्लेषण जीईएम की सफलता की पुष्टि करते हैं। विश्व बैंक और आईआईएम लखनऊ द्वारा किए गए एक स्वतंत्र अध्ययन में औसत मूल्य से औसतन 10 प्रतिशत की बचत का अनुमान लगाया गया है। विश्व बैंक का कहना है कि प्रत्येक नए बोलीदाता के जुड़ने से बचत में 0.55 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) के एक अध्ययन से यह पता चला है कि 2021-22 में वार्षिक लागत बचत 8 प्रतिशत -11 प्रतिशत के दायरे में थी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सही ही जीईएम के उद्देश्य को न्यूनतम मूल्य और अधिकतम आसानी, दक्षता व पारदर्शिता के रूप में अभिव्यक्त किया है।

इस पोर्टल पर 32 लाख से अधिक सूचीबद्ध उत्पादों के साथ 11,500 से अधिक उत्पाद श्रेणियां उपलब्ध हैं। इनमें 280 से अधिक श्रेणियां सेवा क्षेत्र से जुड़ी हुई हैं और ये 2.8 लाख से अधिक सेवा संबंधी पेशकश करती हैं। जीईएम 67,000 से अधिक सरकारी खरीदार संस्थानों की खरीद संबंधी विविध जरूरतों को पूरा कर रहा है। इन संस्थानों ने सभी खरीदारों और विक्रेताओं को समान अवसर देने वाले जीईएम की मदद से लगभग 40,000 करोड़ रुपये की बचत की है।

मूल्य की दृष्टि से अगर देखें, तो विभिन्न राज्यों की ओर से लगभग 60 प्रतिशत ऑर्डर सूक्ष्म और लघु उद्यमों को दिए गए हैं। विभिन्न राज्यों ने दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले व्यवसायियों सहित अपेक्षाकृत कम सुविधा पाने वाले व्यवसायियों के लिए पहुंच में आसानी को दर्शाते हुए विभिन्न स्टार्ट-अप को भी 1,109 करोड़ रुपये के ऑर्डर दिए हैं।

पुरानी और गहरी जड़ें जमा चुकी खरीद प्रक्रियाओं को पुनर्व्यवस्थित करने में पेश आने वाली व्यापक जटिलताओं को देखते हुए, जीईएम वैश्विक स्तर पर शुरू की गई बदलाव-प्रबंधन की सबसे बड़े कवायदों में से एक है और प्रधानमंत्री श्री मोदी की सरकार की कार्यशैली के अनुरूप है। टीकाकरण, मुफ्त भोजन के वितरण, एलईडी बल्बों को अपनाने, नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के निर्माण और डिजिटल भुगतान में उल्लेखनीय वृद्धि आदि जैसे मामलों में दुनिया में अग्रणी होना इस कार्यशैली के कुछ उदहारण हैं।

इस पोर्टल की परिवर्तनकारी सफलता पूरी अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत है क्योंकि यह 'रत्न' अमृत काल के दौरान दक्षता और विश्वसनीयता को बढ़ा रहा है। खासकर उस समय में जब भारत प्रधानमंत्री श्री मोदी के निर्णायक और दूरदर्शी नेतृत्व में 2047 तक एक विकसित देश बनने की राह पर अग्रसर है।

इतनी जल्दी पीछे नहीं हटेंगे पवार

विजय त्रिवेदी, वरिष्ठ पत्रकार

आज शरद पवार को उनकी बायोग्राफी के शीर्षक के साथ जोड़कर ही समझना होगा, शीर्षक है - अपनी शर्तों पर, बिना इस शीर्षक के उन्हें नहीं समझा जा सकता। इसे समझे बिना ज्यादातर लोग शरद पवार को कभी बागी, कभी खलनायक, तो कभी राजनीतिक लोभी के रूप मे देखते रहे हैं। ज्यादातर लोगों को लगता रहा है कि शरद पवार हमेशा सत्ता की राजनीति करते रहे हैं। साठ साल के राजनीतिक करियर में शरद पवार सत्ता में रहे हों या विपक्ष में, पार्टी तोड़ने वालों में रहे हों या बनाने वालों में, केंद्र की राजनीति में रहे हों या महाराष्ट्र की राजनीति में, उन्होंने जो भी किया है, अपनी शर्तों पर किया है। अब अगर वह अपनी पार्टी का अध्यक्ष पद भी अपनी शर्तों पर छोड़ने जा रहे हैं, तो आश्चर्य नहीं। 1956 में गोवा की आजादी के लिए प्रदर्शन के साथ शुरू हुआ उनका राजनीतिक सफर क्या अब ढलान पर पहुंच गया है? क्या उनकी पार्टी उन्हें जाने देगी? विश्वास करना मुश्किल है।

यह बात छिपी नहीं है कि शरद पवार न केवल राजनीतिक जीवन में, बल्कि निजी जीवन में भी लड़ाकू रहे हैं। लोगों को लगता है कि वह जा रहे हैं, लेकिन वह हर बार मजबूती के साथ पलटकर आते हैं। साल 2004 के लोकसभा चुनाव में पुणे में चुनाव प्रचार करने के बाद उन्हें आपातकालीन ऑपरेशन के लिए सीधे अस्पताल जाना था, भाषण खत्म करते ही वह ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती हुए थे। उस ऑपरेशन के बाद के 20 साल में हर उस आदमी को पवार ने निराश किया है, जिसे कभी भी यह लगा कि अब पवार की पारी खत्म हो जाएगी।

आज सवाल यह है कि शरद पवार ने अपनी पार्टी एनसीपी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का फैसला क्यों किया? बहुत से लोग इसे विपक्षी एकता पर खतरा समझते हैं। बहुत से लोग इसे पवार के राजनीतिक सफर पर विराम समझते हैं, पर लगता नहीं है कि ऐसा कुछ होने वाला है। यह शायद एक और दांव है उनके लंबे सियासी सफर में। उनके इस फैसले को एनसीपी की उत्तराधिकार प्रक्रिया के तहत भी देखा जा रहा है। इसे अपनी सियासी ताकत को और मजबूती से रखने की कोशिश के तौर पर भी देखा जा सकता है।

यह बात नई नहीं है कि उनके भतीजे अजीत पवार काफी समय से बगावती सुर दिखाते रहे हैं। एक बार उन्होंने भाजपा के देवेंद्र फड़णवीस के साथ मिलकर सरकार भी बना ली थी, लेकिन उन्हें उल्टे पांव लौटना पड़ा। शरद पवार ने उन्हें न केवल माफ किया, बल्कि महाविकास आघाडी सरकार में उप-मुख्यमंत्री भी बनवाया। अब भी उनके भाजपा के साथ जाकर सरकार बनाने की चर्चा चल रही है। ऐसे में, पार्टी को टूटने से बचाने के लिए शरद पवार का यह कदम महत्वपूर्ण हो सकता है। शरद पवार अपनी पार्टी की बागडोर अपनी बेटी सुप्रिया सुले को सौंपना चाहते हैं और इस दिशा में उनका यह कदम कारगर साबित हो सकता है। ध्यान रहे, पवार ने अपनी लोकसभा सीट बारामती पहले ही सुप्रिया सुले को सौंप दी है। बहरहाल, मंगलवार की घटना ने इतना तो संकेत दे ही दिया है कि एनसीपी में आंतरिक हलचल तेज है।

इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता कि एनसीपी टूट सकती है। यदि ऐसा होता है, तब भी शरद पवार और सुप्रिया सुले जिस पार्टी या धड़े के साथ होंगे, उसे ही राजनीतिक तौर पर मूल एनसीपी माना जाएगा। ऐसा ही शिव सेना के साथ भी हुआ है। शिव सेना टूटने के बाद एकनाथ शिंदे राज्य में सरकार बना चुके हैं, लेकिन ज्यादातर लोग उद्धव ठाकरे की शिव सेना को ही असली मानते हैं।

एक और सवाल शरद पवार के राजनीतिक चरित्र को लेकर है कि क्या वह भाजपा के साथ जा सकते हैं? पिछले साठ साल के राजनीतिक सफर में कई मौके आए, उन्होंने कांग्रेस को छोड़ दिया, नई पार्टी बनाई, लेकिन फिर कांग्रेस में या कांग्रेस के करीब आ गए। आज तक एक भी मौका ऐसा नहीं है, जब शरद पवार ने भाजपा का खुलकर साथ दिया हो। शरद पवार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के चेयरमैन व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कौंसिल के अध्यक्ष रह चुके हैं, वह क्रिकेट के गुर का इस्तेमाल राजनीति में बेहतर ढंग से करते आए हैं। कब गुगली फेंकी जानी चाहिए और कब छक्के का लालच देकर कैच कराया जाना चाहिए, उन्हें अच्छे से पता है। वह सियासी क्रिकेट के ऐसे माहिर खिलाड़ी हैं, जो सुनील गावस्कर के धीमे टेस्ट खेल से लेकर विराट कोहली की तेज टी-20 पारी तक मैदान में टिके रह सकते हैं।

अब इसमें कोई शक नहीं कि एनसीपी के मौजूदा घटनाक्रम का एक बड़ा चेहरा अजीत पवार हैं। वह खुद को भले बड़ा नेता समझें, लेकिन राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद पवार की ही पार्टी है। अजीत पवार को हर पल इस बात का डर लगा रहता है कि हिंदू उत्तराधिकार कानून के मुताबिक, इस बार भी फैसला कहीं शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले के हक में न चला जाए। वैसे पार्टी तोड़ने की कोशिश में एक बार वह नाकाम हो चुके हैं, अब वैसी ही दूसरी कोशिश के लिए उन्हें भाजपा के सहारे की जरूरत है। भाजपा यदि शिव सेना के बाद एनसीपी को भी तोड़ना चाहेगी, तो अजीत पवार बेहतर मोहरा हो सकते हैं, पर तब वह एनसीपी नेता नहीं रह पाएंगे। यानी शिव सेना के टूटने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में एक और घमासान बाकी है।

मंगलवार को भी घमासान का ही मौका था, जब शरद पवार अपनी राजनीतिक बायोग्राफी लोक मांझे सांगाती (अपनी शर्तों पर) का दूसरा भाग रिलीज कर रहे थे। इस मौके पर शरद पवार अपनी पत्नी और बेटी के साथ मौजूद थे। पार्टी के सभी नेताओं ने उनके प्रति अपनी आस्था जाहिर की और उनसे अध्यक्ष पद पर बने रहने का आग्रह किया। तब सुप्रिया सुले मौन रहीं, क्योंकि वह जानती हैं कि पवार के समर्थन के लिए चुप्पी तोड़ना जरूरी नहीं है। हां, अगर वह भी बोलतीं, तो शायद पार्टी टूटने की राह पर तेजी से चल पड़ती। वैसे भी कहा गया है कि सबसे भली- चुप्पी। सुप्रिया सुले अच्छी तरह समझती हैं कि पार्टी भले राजनीतिक हो, पर पूंजी तो उनके पिताजी की है, सो उन्हें ही मिलनी है। जो हुआ है, वह कतई चौंकाता नहीं है। ध्यान रहे, बीते 17 अप्रैल को ही सुप्रिया ने कह दिया था कि देश की राजनीति में दो धमाके होने वाले हैं, जिसमें से एक मंगलवार, 2 मई को हो गया, अब दूसरे का इंतजार है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ताकि तलाक अभिशाप नहीं, नए जीवन का मोड़ बन जाए

कमलेश जैन, वरिष्ठ अधिवक्ता, सुको

पहली मई को सर्वोच्च न्यायालय की पांच जजों की संविधान पीठ ने शिल्पा शैलेश और वरुण श्रीनिवासन के मुकदमे में पति-पत्नी के बीच वर्षों से चली आ रही उलझनों का स्थायी निवारण कर दिया। इसके साथ तीन अन्य दंपतियों (नीति मालवीय बनाम राकेश मालवीय, अंजना किशोर बनाम पुनीत किशोर, और मनीष गोयल बनाम रोहिणी गोयल) के मुकदमों का भी फैसला सुनाया गया। कुल 61 पृष्ठों में आए इस निर्णय से तलाक आसान बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कदम बढ़ाए गए हैं। दरअसल, वैवाहिक मामलों में दरार पिछले दो-ढाई दशकों में बढ़ी है। इस दरम्यान संसद से नए-नए कानून बने, जिनकी वजह से रिश्तों में सुधार होने के बजाय उलझन बढ़ती गई और अदालतों पर तलाक के मुकदमों को बोझ बढ़ता गया। इसकी शुरुआत 1983 से हुई है, जब 25 दिसंबर को भारतीय दंड संहिता में धारा 498-ए जोड़ा गया। इसने पत्नी को दहेज के लिए प्रताड़ित करने या अन्य प्रकार की क्रूरता करने के लिए पति और उसके परिजनों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करना आसान बना दिया। इसके तहत एफआईआर दर्ज होते ही पूरा परिवार, चाहे वह अलग-अलग राज्यों में रहता हो, गिरफ्तार कर लिया जाता, बेशक मुकदमे की विवेचना बाद में होती।

इस बाबत एक जनहित याचिका (रिट पिटिशन नंबर 8/2003) मैंने खुद सर्वोच्च न्यायालय में 2003 में डाली थी, जिसमें न्यायालय ने कहा था कि वह ऐसा करने में असमर्थ है। उसने इसके लिए संसद और भारतीय विधि आयोग को आदेश व याचिका की कॉपी भेजने की बात कही थी। बाद के वर्षों में बदलाव हुआ, और अब परिवार जेल नहीं जाता, सिर्फ पति जा सकता है, वह भी स्पष्ट आधार पर। घरेलू हिंसा कानून का भी इसी तरह बेजा लाभ उठाया जाता रहा, जबकि इसमें आप सभी समस्याओं को एक ही अदालत में रख सकते हैं, जैसे तलाक, भरण-पोषण का खर्च, अलग घर या उसी घर में ठीक से रहने की व्यवस्था, बच्चों का समाधान, क्रूरता (मानसिक, शारीरिक, आर्थिक, यौनिक आदि) से छुटकारा आदि। इसमें पति या किसी रिश्तेदार को जेल भेजे बिना सभी समस्याओं का समाधान संभव है। मगर कुछ स्त्रियों को यह रास्ता पसंद नहीं। ऐसे मामलों में अक्सर लड़का ही झुकता है, ताकि उसका परिवार शांति से रह सके। इसके लिए वह बतौर मुआवजा बड़ी राशि देने को भी तैयार हो जाता है।

सर्वोच्च न्यायालय का ताजा फैसला इन तमाम मुश्किलों का समाधान कर सकता है। यह फैसला इस आधार पर किया गया है कि जिस रिश्ते में ऐसी खाई बन गई है, जिसको पाटा न जा सके, उसमें तलाक के लिए छह महीने का इंतजार आखिर क्यों किया जाए? अगर पति-पत्नी में वर्षों का अलगाव है, तो उसका यही अर्थ है कि उनमें जुड़ने की इच्छा मर चुकी है। इसका मकसद यह भी है कि युवावस्था में जुड़े जोड़े अनंतकाल तक अदालतों में दौड़ते-दौड़ते बूढ़े न हो जाएं, बल्कि वे समय से नए जीवन की शुरुआत कर सकें। आज स्थिति यह है कि निचली अदालतों से लेकर, उच्च व सर्वोच्च न्यायालयों तक तलाक के मुकदमों की भरमार है। 2018 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सिर्फ उत्तर प्रदेश के परिवार न्यायालय में 61,000 से अधिक मुकदमे लंबित थे। भले ही, अपने देश में तलाक की दर दुनिया में सबसे कम 1.1 प्रतिशत है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट कहती है कि पिछले 20 वर्षों में तलाकशुदा लोगों की संख्या दोगुनी हुई है, जिसका अर्थ है कि भारत में रिश्तों के टूटने की दर बढ़ने लगी है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:- 9827806026, 7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

खास खबर

मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अंतर्राष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता दिवस 3 मई के अवसर पर मीडिया संस्थानों, प्रतिनिधियों और पत्रकारों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना गया है। इसी स्तंभ की मजबूती, पत्रकारिता के सम्मान, स्वतंत्रता और सुरक्षा की सुनिश्चितता के लिए पूरी दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। भारतीय संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के रूप में प्रेस की स्वतंत्रता को मौलिक अधिकारों में शामिल किया गया है। बघेल ने कहा कि आज के ग्लोबल दौर में मीडिया संस्थानों का महत्व अधिक होने के साथ ही उनके लिए चुनौतियां भी बढ़ गई है। छत्तीसगढ़ सरकार पत्रकारों की सुरक्षा और स्वतंत्रता के लिए संकल्पित है। प्रदेश में मीडिया प्रतिनिधियों की सहायता के लिए कई कदम उठाए गए हैं। छत्तीसगढ़ पहला ऐसा राज्य है जहां पत्रकारों को सुरक्षा देने के लिए कानून बनाने की पहल की गई है।

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी केयूर भूषण की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और पूर्व सांसद स्वर्गीय श्री केयूर भूषण को 3 मई उनकी पुण्यतिथि पर नमन किया है। मुख्यमंत्री ने केयूर भूषण जी को याद करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के लिए उन्होंने अथक प्रयास किया। छत्तीसगढ़ के इन जैसे माटी पुत्रों की रखी आधारशिला पर ही हमारा देश-प्रदेश आजादी और विकास का उगता सूरज देख रहा है।

मुख्यमंत्री ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, शिक्षाविद और भारत के पूर्व राष्ट्रपति भारतरत्न डॉ. जाकिर हुसैन की 3 मई को पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री ने डॉ. जाकिर हुसैन के व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए कहा कि डॉ. हुसैन बेहद अनुशासन प्रिय व्यक्ति थे। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भागीदारी निभायी। स्वतंत्रता के बाद उन्होंने बिहार के राज्यपाल, उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति के पद को सुशोभित किया। वे भारत के पहले मुस्लिम राष्ट्रपति बने। उन्होंने शैक्षिक सुधार पर बल दिया और कई आंदोलनों से सक्रिय रूप से जुड़े। डॉ. हुसैन भारत में आधुनिक शिक्षा के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया।

जनदर्शन में आज 25 आवेदन प्राप्त हुए

सूरजपुर। जिले में जनदर्शन के माध्यम से मंगलवार को आम जनता से कलेक्टर संजय अग्रवाल ने रूबरू होकर दूरस्थ क्षेत्रों से आए आमलोगों की समस्याओं और शिकायतों से संबंधित 25 आवेदनों को पूरी गंभीरता से सुनी। उन्होंने जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का समय सीमा के भीतर निराकरण करने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। आज जनदर्शन में आवेदक अलाउद्दीन, देवनारायण, वार्डवासी, सुदामा, आरती, जमीन विवाद जैसे आवेदन प्राप्त हुए उन्होंने राजस्व अमला को नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही कर निराकरण करने के निर्देश दिए है। राशन कार्ड, वन अधिकार पत्र प्राप्त करने, बेजा कब्जा, त्रुटि सुधार, मजदूरी भुगतान नक्शा दुरुस्तीकरण, सड़क निर्माण, नामांतरण संशोधन, श्रमिक पंजीयन, फर्जी पट्टा निरस्तीकरण जैसे आवेदन भी प्राप्त हुए।

पहली बार लोगों को महसूस हुआ कि यह हमारी सरकार है, यही सबसे बड़ी उपलब्धिः भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । मुख्यमंत्री ने कहा है कि हमारी योजनाएं लोगों के विकास पर केन्द्रित है। हमने छत्तीसगढ़ के लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए पिछले साढ़े 4 सालों में काम किया है। हमने छत्तीसगढ़ की संस्कृति को उभारने और उसे पल्लवित करने का काम किया है। हमने छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी है। हमारी नीतियां और कार्यक्रमों से लोगों को पहली बार महसूस हुआ कि यह सरकार हमारी सरकार है, यही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज एक निजी समाचार चैनल के कार्यक्रम ''न्याय का गढ़-छत्तीसगढ़'' में चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने आदिवासी अंचलों में भरोसा पैदा करने के लिए विश्वास, विकास और सुरक्षा की नीति अपनाई। हमने लोहंडीगुड़ा क्षेत्र में लगभग 4200 एकड़ अधिग्रहित भूमि आदिवासियों को वापस लौटाई। शिक्षा के क्षेत्र में बंद पड़े लगभग 300 स्कूलों को पुनः प्रारंभ किया। बच्चों को शिक्षा देने के लिए 16 प्रकार की भाषा-बोली को लिपिबद्ध कर उसका शब्दकोष बनाया और स्कूलों में बच्चों को स्थानीय भाषा में पढ़ा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि कृषि बाहुल्य छत्तीसगढ़ प्रदेश में हमारी नीतियों से अन्नदाता खुश हैं। किसानों के हित में चलाए जा रहे कार्यक्रमों से उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। खेती-किसानी कार्य में पहले किसानों को सोना-चांदी गिरवी रखना पड़ता था, आज स्थिति यह है कि हमारी सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों का लाभ उठाकर वे न केवल अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं, बल्कि सोना-चांदी भी खरीद रहे हैं। यही वजह है कि यहां खेती-किसानी का रकबा बढ़ा है, उत्पादन बढ़ा है और किसानों की संख्या में वृद्धि हुई है। हमारी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों की वजह से गांव-गरीब किसान खुशहाल हैं और प्रदेश की सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति को सहेजने और संवारने का कार्य किया है। चंदखुरी में माता कौशल्या के मंदिर निर्माण के साथ ही सौदर्यीकरण और प्रदेश में राम वन गमन पर्यटन परिपथ को विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ शांति का टापू रहा है। यहां सभी एक दूसरे का आदर और सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पुरखों का संदेश देशभर में जाना चाहिए। इस तरह प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास को गति देते हुए लोगों के उत्थान के कार्य किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने न्याय का गढ़-छत्तीसगढ़ कार्यक्रम में प्रतीकात्मक रूप से भेंट-मुलाकात स्वरूप विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से बातचीत भी की। इनमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती साधना देवांगन, स्वामी आत्मानंद स्कूल महोबा बाजार कक्षा 10वीं की छात्रा कुमारी अंजलि वर्मा, डेयरी व्यवसायी और गोधन न्याय योजना के लाभार्थी श्री शुभम गौतम तथा विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा के प्रदेश अध्यक्ष श्री इतवारी राम बैगा से आत्मीय चर्चा की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान छात्रा कुमारी अंजलि के आग्रह पर स्वामी आत्मानंद स्कूल में बाउंड्रीवाल निर्माण की घोषणा भी की।

दुर्ग वनमंडल में वन एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने 700 से अधिक छात्र-छात्राओं का कराया गया भ्रमण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन विभाग द्वारा वन एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने के लिए वन मितान जागृति कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके तहत अब तक दुर्ग वनमंडल अंतर्गत कुल 11 वन मितान जागृति शिविरों का आयोजन किया जा चुका है, जिनमें 52 शिक्षक सहित 711 स्कूली छात्र-छात्राओं ने प्रशिक्षण प्राप्त कर लाभ उठाया है।

राज्य कैम्पा प्राधिकरण द्वारा स्कूली विद्यार्थियों में वन, वन्यप्राणी एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने हेतु प्रशिक्षण सह जागरूकता शिविर वन मितान 'जागृति' कार्यक्रम का आयोजन वनमण्डल वनमण्डल स्तर पर किया जाता है। इसका उद्देश्य वनक्षेत्रों के अंदर एवं इसके पाँच किलोमीटर तक स्थित विद्यालयों के विद्यार्थियों अर्थात भविष्य के नागरिकों को वन, वन्यप्राणी एवं पर्यावरण की वन मितान जागृति कराकर उन्हें उनके संरक्षण हेतु प्रेरित करना है। इसी तरह शिविरों के प्रतिभागियों में से उत्प्रेरित एवं इच्छुक विद्यार्थियों को नेचर वॉलेन्टियर फोर्स के रूप में विकसित करना और विभाग एवं विभागीय अधिकारियों के कार्य एवं उत्तरदायित्व तथा चुनौतियों से विद्यार्थियों को अवगत कराना है। वन मितान जागृति कार्यक्रम अंतर्गत प्रत्येक वनपरिक्षेत्र अंतर्गत 120 विद्यार्थियों को विभिन्न स्कूलों से चयनित कर उन्हें शिविर के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाता है। इस शिविर में जैव विविधता एवं उद्यानिकी कार्यों की जानकारी पेड़ पौधों और पारिस्थितिकीय तंत्र का परिचय वनों की भूमिका मृदा, जड़तंत्र और वृक्ष के घटक एवं वनौषधियों की जानकारी दी जाती है। साथ ही वन्यप्राणियों का पारिस्थितिकीय तंत्र में महत्व, वन प्रबंधन, जल संरक्षण एवं संवर्धन, स्वच्छता विषयक जानकारी प्रदान की जाती है। इसके साथ- साथ पक्षी दर्शन, वन भ्रमण तथा निबंध प्रतियोगिता, खेलकूद, नाटक कार्यक्रम इत्यादि के माध्यम से बच्चों में वन एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने का कार्य किया जाता है।

प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक पर की गई कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय के मार्गदर्शन में नगर निगम कोरबा एवं पर्यावरण संरक्षण मण्डल के अधिकारियों ने प्रतिबंधित प्लास्टिक के विक्रेताओं एवं व्यवसायियों पर कार्यवाही की गई। इस दौरान 34 विक्रेताओं पर 19300 रूपये का अर्थदण्ड लगाया गया, साथ ही 9.300 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक, कैरीबैग व अन्य सामग्री जप्त की गई। यहाँ उल्लेखनीय है कि निर्धारित मानक के अनुरूप न होने वाली प्लास्टिक सामग्री से निर्मित कैरीबैग सिंगल यूज डिस्पोजल सहित अन्य प्लास्टिक वस्तुओं के निर्माण, भण्डारण, वितरण एवं उपयोग आदि पर शासन द्वारा प्रतिबंध लगाया गया है, प्रतिबंधित प्लास्टिक कैरीबैग व अन्य सामग्री के उपयोग से एक ओर जहाँ पर्यावरण एवं सफाई व्यवस्था पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर यह मानव स्वास्थ्य व प्राणी मात्र के लिए घातक है। नगर निगम कोरबा के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी की अगुवाई में नगर निगम व पर्यावरण संरक्षण मण्डल के कर्मचारियों ने कोरबा निगम क्षेत्र में कार्यवाही की तथा चिल्हर, कैरीबैग व डिस्पोजल आदि की जप्ती की एवं 19300 रूपये का अर्थदण्ड लगाया। इस मौके पर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी सुनील वर्मा, पर्यावरण संरक्षण मण्डल श्री पाण्डेय, निगम के स्वच्छता निरीक्षक गिरवर विश्वकर्मा, उत्तम दास, सतीन्द्र थवाईत, शैलेन्द्र नामदेव, सतानंद द्विवेदी आदि ने यह कार्यवाही की।

सरकारी स्कूलों में बस्ताविहीन दिवस में बच्चे सीख रहे बागवानी के हुनर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों को व्यवसायिक शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से प्रत्येक विद्यालयों में शनिवार को बस्ताविहीन कार्यक्रम में बागवानी के हुनर सिखाए जा रहे है। स्कूलों में मध्यान्ह भोजन को पौष्टिक बनाने के लिए किचन गार्डन विकसित किया जा रहा है।

रायपुर संभाग में अब तक 1603 किचन गार्डन विकसित किया जा चुका है। इसमें प्राथमिक विद्यालयों में 1046 और पूर्व माध्यामिक विद्यालयों में 557 किचन गार्डन विकसित हो चुके हैं। बच्चे एक ओर व्यवसायिक शिक्षा के अंतर्गत बागवानी का महत्व समझ रहें हैं, वहीं दूसरी ओर किचन गार्डन विकसित हो जाने से बच्चों को मध्यान्ह भोजन में भी ताज़ी सब्जियां मिल रही हैं।

रायपुर संभाग के अंतर्गत सभी जिलों में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी से विद्यालय परिसर को सुंदर और आकर्षक बनाया जा रहा है। स्कूलों में किचन गार्डन से विद्यार्थियों को नियमित रूप से पौष्टिक सब्जियां और फल मिल रहे हैं। यह किचन गार्डन निश्चित रूप से बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक हो रहा है। संयुक्त संचालक स्कूल शिक्षा रायपुर संभाग ने बताया कि शेष विद्यालयों में भी जल्द ही कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि रायपुर जिले के तिल्दा विकासखंड में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला भरुआडीह कला, गरियाबंद जिले में पूर्व माध्यामिक शाला लिमडीह और पूर्व माध्यामिक शाला खैरझिटी, धमतरी जिले में पूर्व माध्यामिक शाला शकरवारा, बलौदाबाजार जिले में प्राथमिक शाला मुसुआडीह में विद्यालय परिवार और शाला प्रबंधन समिति के सहयोग से आदर्श पोषण वाटिका विकसित की गई है। संभाग में इस तरह की और भी वाटिका तेजी से तैयार हो रही है।

कलेक्टर ने फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने समय-सीमा की बैठक ली। उन्होंने राज्य शासन की फ्लेगषीप योजनाओं सुराजी गांव योजना नरवा, गुरूवा, घुरूवा, बाड़ी, मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना, मुख्यमंत्री सुपोषण योजना, मुख्यमंत्री हॉट बाजार योजना, गोधन न्याय योजना, भूमिहिन मजदूर न्याय योजना, मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना तथा अन्य योजनाओं का क्रियान्वयन जिले में हुआ है उसकी समस्त जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होंने समस्त विभागीय के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा मई का महीना काम करने के लिए उपयुक्त है, इसके बाद बरसात आ जायेगी। इसके लिए जो टेंडर, स्वीकृति से संबंधित औपचारिक प्रक्रिया है उसे तीव्रता के साथ पूरा करते हुए बरसात से पहले कार्य को प्रारंभ कराना सुनिश्चित करें, इससे कार्य समय सीमा पर किया जा सकता है।

उन्होंने समस्त विभागों को आपस में समन्वय बनाकर कार्य करने निर्देष देते हुए कहा कि जिस विभाग का समन्वय संबंधित विभाग या अन्य विभाग से ठीक होता है, उसका रिजल्ट अच्छा आता है। जिले में अधिकारियों कार्य प्रणाली पारदर्शी होना चाहिए है, इससे शिकायते कम आती है और प्रकरणों का निराकरण भी समय पर हो पाता है।

एसई साहू को यूथ हॉस्टल ने सीनियर क्लब में दी विदाई

कोरबा। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की कोरबा इकाई ने अपने वरिष्ठ सदस्य और सीएसईबी उत्पादन कंपनी के सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता मोहन लाल साहू और रेणुका साहू को एक कार्यक्रम में विदाई दी। डीएसपीएम के कार्यकारी निदेशक बीडी बघेल एवं श्रीमती बघेल ससयोजन में विशिष्ट अतिथि थे। सीएसईबी सीनियर क्लब कोरबा में इज कार्यक्रम आयोजित किया गया। केक कटिंग सेरेमनी, गाने, 25 वर्ष की पुरानी यादों को भी संजोया। समारोह में एमएल साहू को लाइफ टाइम अवार्ड से नवाजा गया। इस दौरान सदस्यों के द्वारा गीतों की प्रस्तुति भी दी गई। कार्यक्रम का नेतृव सतीश शुक्ला और संदीप सेठ द्वारा किया गया।

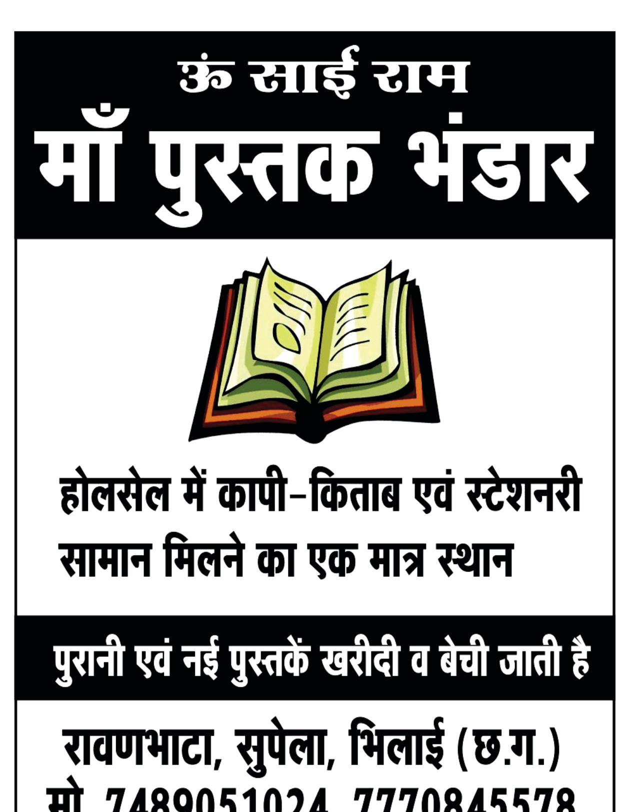

खास खबर...

आरडीए संचालक मंडल का हीरापुर योजना का दौरा

रायपुर। रायपुर विकास प्राधिकरण संचालक मंडल के सदस्यों मे आज प्राधिकरण की डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी आवास योजना हीरापुर का दौरा किया। इस अवसर उन्होंने निवासियो की साफ सफाई, नालियों के टूटफूट फ्लैट्स के रखरखाव और नालियों से संबंधित शिकायतों का अवलोकन किया। प्राधिकरण के उपाध्यक्षव्दय सूर्यमणि मिश्रा, शिव सिंह ठाकुर संचालक मंडल के संचालक मंडल के सदस्य राजेन्द्र पप्पू बंजारे,हिरेद्र देवांगन, और श्रीमती चन्द्रवती साहू से वहां के निवासियों ने कहा कि नियमित रुप से सफाई ठेकेदार के लोग काम करें इस बात के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया जाए। प्राधिकरण व्दारा योजना में रिक्त फ्लैट्स जिन्हें विक्रय किया जाना है उसकी मरम्मत का कार्य भी किया जा रहा है। संचालक मंडल के सदस्यों ने योजना में बने शॉपिंग कॉम्पलेक्स में व्यावसायियों व वहां आने वाले ग्राहकों की सुविधा के लिए टॉयलेट ब्लॉक के जीर्णोव्दार के बाद उसे व्यवसायियों को सौंपा गया। इस अवसर पर क्षेत्र के व्यवसायी रितेश सिंह, बबलू केसरवानी, सी.एल.साहू, विकास केसरवानी, निवासियो में दर्शन कौर भामरा, मोहम्मद साजिद सहित प्राधिकरण के अधीक्षण अभियंता अनिल गुप्ता, कार्यपालन अभियंता आर.के. जैन, सहायक अभियंता विवेक सिन्हा, उप अभियंता दिग्विजय साहू उपस्थित थे।

भाजपा की लापरवाही से आरक्षण कम हुआ था कांग्रेस सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से बहाल करवाया - कांग्रेस

रायपुर। भाजपा का यह कहना कि 58 प्रतिशत आरक्षण की बहाली उसकी विचारो की जीत है हास्यास्पद है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि दरअसल 58 प्रतिशत आरक्षण भाजपा की रमन सरकार की जानबूझकर बरती गयी लापरवाही से ही अदालत में खारिज हुआ था। मुकदमे के शुरूआती 6 सालों तक रमन सरकार जानबूझकर तथ्य अदालत से छुपाते रही रमन सरकार के समय सन् 2012 में 58 प्रतिशत आरक्षण के खिलाफ उच्च न्यायालय में मुकदमा लगा था। जिसके संबंध में तत्कालीन रमन सरकार अदालत में सही तर्क नहीं प्रस्तुत कर पाई रमन सरकार की लापरवाही से ही अदालत का फैसला 58 प्रतिशत आरक्षण के खिलाफ आया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि कांग्रेस की भूपेश सरकार बिलासपुर उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गयी वहां पर देश के सबसे ख्यातिनाम तीन वकीलों मुकुल रोहतगी, कपिल सिब्बल और अभिषेक मनुसिंघवी को पैरवी के लिये रखकर अपना पक्ष रखा जिसके कारण 58 प्रतिशत आरक्षण फिर से बहाल हुआ है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि बिलासपुर उच्च न्यायालय के द्वारा 58 प्रतिशत आरक्षण रद्द किये जाने के बाद कांग्रेस सरकार ने एक ओर जहां बिलासपुर उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर किया दूसरी ओर विधानसभा से विशेष सत्र बुलाकर आरक्षण संशोधन विधेयक पारित करवाया विधानसभा में पारित विधेयक में 76 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। जिसमें कांग्रेस सरकार ने सर्व समाज को आरक्षण देने विधानसभा से आरक्षण संशोधन विधेयक पारित करवा कर राजभवन भेजा है। भाजपा के षड़्यंत्रों के कारण उस पर हस्ताक्षर नहीं हो रहा है। इस विधेयक में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति को उनकी जनगणना के आधार पर तथा पिछड़ा वर्ग को क्वांटी फायबल डाटा आयोग की रिपोर्ट के आधार पर आरक्षण का प्रावधान किया। इस विधेयक में अनुसूचित जनजाति के लिये 32 प्रतिशत, अनुसूचित जाति के लिये 13 प्रतिशत तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिये 27 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के लोगों को भी 4 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। आरक्षण संशोधन विधेयक पर भाजपा अपना रवैय्या स्पष्ट को बताये कि राजभवन इस विधेयक पर हस्ताक्षर कब करेगा।

हर वर्ष 14 नवंबर को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं को किया जाएगा सम्मानित...

मितानिन और आंगनबाड़ी की बहनें मानवता की सेवा की मिसालः भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं मितानिन वास्तव में मानवता की सेवा करती है। आप लोग ने छत्तीसगढ़ में जो कार्य किया है वह अतुलनीय है। यह मानवता की सेवा की मिसाल है। आप लोग जो कार्य करते हैं, कोई अन्य नहीं कर सकता। यह बात मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने की। मौका था राजधानी के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित आभार सम्मेलन का। मुख्यमंत्री जैसे ही इस कार्यक्रम में पहुंचे प्रदेश के कोने-कोने से हजारों की संख्या में आए आंगनबाड़ी सहायिका, मितानिनों ने ताली बजाकर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और खुशी जाहिर की।

आभार सम्मेलन में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने मुख्यमंत्री को गज माला पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया और मानदेय बढ़ाने के निर्णय को लेकर अपनी खुशियां जाहिर की। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य के लिए 6 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और 5 मितानिनों को सम्मानित किया गया। साथ ही महिला कोष से 6 स्व-सहायता समूहों को 10 लाख रूपए के ऋण राशि का चेक सौंपा गया।

मुख्यमंत्री श्री बघेल का आभार प्रकट करते हुए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और मितानिनों की ओर से प्रतिनिधियों ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने मानदेय और प्रोत्साहन राशि बढ़ाकर हमें सम्मानजनक जीवन जीने लायक बनाया है। उन्होंने हमारी दाल-रोटी और परिवारों की चिंता की है। हम विश्वास दिलाते हैं कि कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने में मुख्यमंत्री जी का पूरा सहयोग करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आभार सम्मेलन में की बड़ी घोषणा - मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आभार सम्मेलन में बड़ी घोषणा करते हुए कहा है कि सक्षम योजना अंतर्गत योजना के लाभ के लिए महिलाओं की वार्षिक आय की सीमा 1 लाख रूपए से बढ़ाकर 2 लाख रूपए किया जाएगा। महिला समूहों को दिए जाने वाली ऋण राशि की सीमा 4 लाख से बढ़ाकर 6 लाख किया जाएगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने 5000 आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि 14 नवंबर को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि ब्लॉक कोऑर्डिनेटर तथा मास्टर ट्रेनर के लिए पावस सत्र से व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने इस मौके पर महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए स्टॉलों का भी निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज यह अद्भुत कार्यक्रम है, जहां पहली बार ऐसा हुआ है कि मातृ शक्ति बड़ी संख्या में ही नहीं बल्कि बहुसंख्या में उपस्थित हैं। आज आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, मितानिनों द्वारा आभार प्रकट करने आए हैं, बल्कि मैं प्रदेश की पौने तीन करोड़ जनता से उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूं। कोरोना काल में आप लोगों ने जिन परिस्थितियों का सामना करते हुए कार्य किया और दायित्वों को पूरा किया, वह अन्य कोई नहीं कर सकता। जब दूसरी लहर में कोरोना नियंत्रण में नहीं आ रहा था, तब हमने छत्तीसगढ़ के सभी अस्पतालों, आसपास के गांव, विकासखण्डों के स्वास्थ्य केन्द्रों में बेड लगाकर इलाज कराना शुरू किया, तब भी नियंत्रण नहीं हुआ।

तब हमने सभी मितानिनों को कोरोना किट दिया और घर-घर बंटवाना शुरू किया। पूरे देश में छत्तीसगढ़ ही ऐसा राज्य है जहां कोरोना नियंत्रण में आना शुरू हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब लॉकडाउन की स्थिति थी, तब हमारी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका बहनें कुपोषण के खिलाफ जंग जारी रखी थी। घर-घर जाकर गर्म भोजन राशन पहुंचाया। उन्होंने कहा कि चाहे कैसा भी मौसम हो नदी-नालों को पार करना या दूरस्थ स्थानों में स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने की जिम्मेदारी हो या टीकाकरण करना हो हमारी बहनें आगे रहती हैं, अपने कार्य को समर्पित भाव से करती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका कुपोषण के खिलाफ जंग लड़ रही है। उनके इस उल्लेखनीय कार्य के कारण ही हमारे राज्य में कुपोषण की दर 37.7 प्रतिशत थी, वह अब 31.3 प्रतिशत रह गई है। आप सबके सहयोग से इसे न्यूनतम लाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने आप सभी बहनों के सहयोग से मलेरिया के खिलाफ संघर्ष किया। हमने मां दंतेवश्वरी की पूजा कर मलेरिया मुक्त बस्तर का प्रण लिया और आज सफल होते दिख रहे हैं। हमारी मितानिन बहनों द्वारा घर-घर जाकर मलेरिया की जांच की जा रही है और दवाईयां दी जा रही है। इन्हीं प्रयासों के फलस्वरूप मलेरिया के प्रकरणों में कमी आई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गौठान समितियों में रीपा में, लघुवनोपज संग्रहण में महिलाएं बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। इससे महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण को बल मिला है। छत्तीसगढ़ में कभी लिंग भेद नहीं रहा। केरल के बाद हम दूसरे नंबर है। बस्तर में कहावत है कि एक बेटी जरूर होनी चाहिए। हमारे छत्तीसगढ़ में बिटिया हमारा मान हैं। सभी प्रमुख कार्यों में बेटियां हाथ बंटा रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की लगातार कोशिश यही है कि सभी के आय में वृद्धि होनी चाहिए एक तरफ किसानों को समृद्ध बनाने का कार्य हमने किया। छत्तीसगढ़ में धान कोदो कुटकी की कीमत जितना प्रदेश में मिलता है उतना देश के किसी प्रदेश में नहीं मिलता। शासकीय कर्मचारियों के लिए ओल्ड पेंशन स्कीम शुरू किया ताकि बुढ़ापे में वे किसी पर आश्रित ना रहें। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका, मितानिन सभी का मानदेय बढ़ाया गया है। साथ ही सेवानिवृत्ति के मौके पर भी राशि प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने कहा कि घोषणा पत्र में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को कलेक्टर दर पर मानदेय का प्रावधान किया गया, जो आज पूरी की गई है। मितानिन बहनों को ज्यादा परिश्रमिक मिले मैं। आप सब की तरफ से मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करना चाहता हूं कि उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ाकर 10 हजार एवं मितानिन बहनों को 2200 रूपए प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंडिया ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री बघेल ने लगातार आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं की सुविधाओं में वृद्धि का प्रयास किया है। पिछले पांच वर्षों में उनके मानदेय में लगभग दोगुनी वृद्धि कर दी है। आज आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और मितानिन बहनें बहुत खुश हैं। सबके चेहरों की खुशियां बरकरार रहे यही राज्य सरकार का लक्ष्य है। श्रीमती भेंड़िया ने कहा कि कुपोषण के स्तर में कमी लाने में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं की भागीदारी बहुत महत्वपूर्ण है।

स्वास्थ्य शिविर में अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करें - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर डोमन सिंह आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न लंबित पत्रों की समीक्षा की। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि राजनांदगांव और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के संयुक्त तत्वधान में 6 मई को डोंगरगांव में विशाल जनस्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जायेगा। कलेक्टर ने अधिकारियों को जिम्मेदारी देते हुए कहा कि सभी अधिकारी अपनी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए जिम्मेदारी का निर्वहन सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए करें।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य स्वास्थ्य समस्या से संबंधित कई प्रकार की बीमारियों से ग्रसित लोगों का चिन्हांकन, परीक्षण और उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना है। विशेष रूप से अस्थि बाधित दिव्यांगजनों के कृत्रिम हाथ-पैर प्रदाय करने हेतु नाप ली जाएगी। इसके साथ ही स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न प्रकार के दिव्यांगों की जांच, परीक्षण, दिव्यांग सर्टिफिकेट वितरण किया जाएगा। नेत्र परीक्षण कर समस्या अनुसार उपचार की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित महिलाओं की जांच कर उपचार की व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ बीपी, शुगर की जांच, सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श, पैथोलॉजी जांच की जाएगी। इसी तरह स्वास्थ्य शिविर में मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण, नशा मुक्ति हेतु परामर्श, गर्भवती महिलाओं की जांच व उपचार किया जाएगा। स्वास्थ्य शिविर में आने वाले हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड बनाने के साथ ही वितरण किया जाएगा। स्वास्थ्य शिविर में विशेषज्ञ, डॉक्टरों की टीम मौजूद रहेगी। डॉक्टर्स द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार की व्यवस्था के लिए रणनीति तैयार किया जाएगा। कलेक्टर ने अधिकारियों को जिम्मेदारी देते हुए कहा कि स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने के लिए अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन जवाबदारी के साथ करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने 13 मई को आयोजित होने वाले नेशनल लोक अदालत के माध्यम से समझौते योग्य प्रकरणों का निराकरण करने कहा है। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि राजस्व विभाग में लंबित समझौते योग्य प्रकरणों का निराकरण लोक अदालत के माध्यम से किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि लोक अदालत एक ऐसा फोरम है, जहां लोगों को बिना कोई खर्च के साथ सहज और सुलभ न्याय उपलब्ध होता है। इसका लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिलना चाहिए। बैठक में कलेक्टर ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी शासकीय कार्यालयों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य रूप से लगाएं। उन्होंने सभी आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूल भवनों, सभी शासकीय कार्यालयों, पंचायत भवनों, सभी स्वास्थ्य केंद्रों में भी रेन वाटर हार्वेस्टिंग लगाने कहा है। कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान किए गए घोषणा और स्वीकृति के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संबंधित हितग्राहियों को लाभान्वित करने कहा है। उन्होंने कहा कि सामाजिक संस्थाओं को भूमि आबंटन के कार्य को प्राथमिकता में शामिल करें।

जिला पंचायत सीईओ ने जनदर्शन में सुनी आम लोगों की समस्याएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. रेणुका श्रीवास्तव न संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के विभिन्न स्थानों से पहुँचे लोगों से मुलाकात कर उनके मांगों एवं समस्याओं के संबंध में जानकारी ली।

जनदर्शन कार्यक्रम में आज जिले के सुदूर अंचलों एवं विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में लोग अपने मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु पहुंचे थे। जिला पंचायत सीईओ डॉ. श्रीवास्तव ने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों से बारी-बारी से मुलाकात कर उनके मांगों एवं समस्याओं को सुना। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों के आवेदनों के निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज बालोद विकासखण्ड के ग्राम डरागांव निवासी श्री कृष्णा राम ने जाति एवं निवास प्रमाण पत्र बनवाने, ग्राम सिवनी की स्वच्छाग्राही महिलाओ ने रोजगार दिलाने, ग्राम जगतरा की श्रीमती कांति यादव विद्युत कनेक्शन लगाने आवेदन प्रस्तुत किया। इसी प्रकार दल्लीराजहरा के गुलाम खान ने आंधी तूफान से क्षतिपूर्ति के लिए मुआवजा राशि दिलाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। इसी तरह गुरूर विकासखण्ड के ग्राम श्रीमती चंदला ग्राम बिरही निवासी श्रीमती रामेश्वरी साहू ने राशन कार्ड बनवाने आवेदन प्रस्तुत किया। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जनदर्शन से प्राप्त सभी आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा तोमर सहित राजस्व अनुविभागीय अधिकारी एवं जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

अनदेखा न करें लगातार होने वाला पैरों का दर्द

पोषण की कमी, खराब जीवनशैली या फिर किसी अन्य रोग का लक्षण... पैरों में दर्द व सूजन के कई कारण हो सकते हैं। यह कारण मामूली भी हो सकते हैं और किसी गंभीर रोग के लक्षण भी। शुरुआत में ही सही कारण जानकर उपचार करना कई दूसरी समस्याओं को रोक देता है, बता रही हैं -शमीम खान

पैरों के दर्द के संबंध में कई बातों को समझना जरूरी हो जाता है। दर्द अचानक होता है या लगातार रहता है? रात में होता है या फिर दर्द के साथ सूजन भी है, पैरों में दर्द हड्डियों, तंत्रिकाओं, मांसपेशियों और रक्त वाहिकाओं में खराबी के कारण हो सकता है। कई बार दर्द के बेहद सामान्य कारण होते हैं, मसलन पोषण की कमी या गलत तरह के फुटवियर पहनने से होने वाली समस्याएं। अमेरिकन पोडियाट्रिक मेडिकल एसोसिएशन के अनुसार लड़खड़ा कर गिरने में महिलाएं पुरुषों से चार गुना आगे हैं, इसका कारण उनका ऊंची हील के फुटवियर पहनना है। ब्रिटेन के कॉलेज ऑफपोडियाट्री में हुए एक शोध के अनुसार हील की ऊंचाई पंजों पर पड़ने वाले दबाव को बढ़ा देती है। 1 इंच की हील इस दबाव को 22 प्रतिशत, 2 इंच की हील इसे 57 प्रतिशत तक बढ़ा देती है।

कई बार हृदय व धमनियों में गड़बड़ी के कारण शरीर के टिश्यू में पानी जमा होने लगता है, जिसे एडिमा कहते हैं। इस कारण पैरों में सूजन महसूस होती है और दर्द हो सकता है। युवाओं में पैरों में दर्द का संबंध रीढ़ की हड्डी से भी जुड़ा हो सकता है। सायटिका नस पर दबाव पड़ने से कमर दर्द धीरे-धीरे पैरों तक आ जाता है। इसके लिए युवाओं का गलत पॉश्चर व घंटों कंप्यूटर पर बैठ कर काम करना प्रमुख कारण है। दूसरे लक्षणों के आधार पर डॉक्टर कई बार पैरों में दर्द के लिए डायबिटीज की जांच कराते हैं।

दर्द के तीन प्रकार

- न्यूरोलॉजिकल पेन यह न्यूरोपैथी या तंत्रिकाओं के क्षतिग्रस्त होने से होता है। यह दर्द इतना गंभीर होता है कि जब आराम कर रहे होते हैं, तब भी होता है।
- मस्क्युलोस्केलेटल इस दर्द के दो प्रमुख कारण हैं; पहला, घुटनों में चटकने की आवाज होना या आर्थराइटिस के कारण घुटने क्षतिग्रस्त हो जाना। दूसरा, मांसपेशियों, टेंडन या लिगामेंट्स का क्षतिग्रस्त होना। किसी दुर्घटना से भी ऐसा हो सकता है।
- वॉस्क्युलर पेन यह दर्द धमनियों और शिराओं में खराबी आने से रक्त का प्रवाह बाधित या असामान्य होने से होता है। इनमें शामिल हैं; पेरिफेरल आर्टेरियल डिजीज, पेरिफेरल आर्टेरियल डिजीज (पीएडी), डीप वेन थ्रोम्बोसिस (डीवीटी), वॉस्क्युलिटिस, वरिकोज वेन और वरिकोज एग्जिमा।

गठिया का दर्द

आंकड़ों के अनुसार, विश्व का हर चौथा व्यक्ति जोड़ों के दर्द परेशान है, जिसमें घुटनों का दर्द सबसे अधिक होता है। घुटनों में दर्द, घुटनों की समस्याओं जैसे घुटनों का गठिया, ऑस्टियोपोरोसिस, लॉकिंग नी (जब घुटने एक ही स्थिति में अकड़ जाएं), विटामिन डी और कैल्शियम की कमी, अत्याधिक शारीरिक श्रम और मोटापे आदि के कारण हो सकता है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार, भारत में लगभग 18 करोड़ लोग गठिया से पीड़ित हैं, इसमें लगभग 1.5 करोड़ नए मामले हर साल जुड़ जाते हैं। यही नहीं, गठिया पीड़ित प्रत्येक 5 में से 1 व्यक्ति की उम्र 40 साल से कम है।

लक्षण: ■ घुटनों को मोड़ने या सीधा करने में परेशानी होना ■ चलने में लचक आना ■ घुटनों में सूजन और लाली, ■ घुटनों में कमजोरी महसूस होना ■ दर्द व घुटनों से चटखने की आवाज आना।

उपचार: घरेलू उपायों के अलावा कई मरीजों को फिजियोथेरेपी और नॉन सर्जिकल उपचारों से आराम हो जाता है। पर, अगर बिलकुल आराम नहीं है तो घुटना प्रत्यारोपण का ही विकल्प बचता है।

पोषण की कमी से हो सकता है दर्द

कुछ निश्चित विटामिन्स और मिनरल्स की कमी से पेरिफेरल नर्व्स (पेरिफेरल न्यूरोपैथी) क्षतिग्रस्त हो सकती हैं, जिससे पैर में दर्द या कमजोरी महसूस हो सकती है। इलेक्ट्रोलाइट का असंतुलन यानी सोडियम, पोटैशियम, कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे जरूरी प्राकृतिक तत्वों की कमी से पैरों में दर्द और मांसपेशियों में ऐंठन होने लगती है। ऐसे में दस्त, कब्ज, भ्रम, सुस्ती, मतली और सुन्नता, हृदय गति तेज होने जैसे लक्षण देखने को मिलते हैं। प्रमुख रूप से जिन पोषक तत्वों की कमी होती है, उनमें निम्नलिखित हैं

■ विटामिन बी-12 ■ विटामिन बी-6
■ विटामिन डी ■ कॉपर ■ कैल्शियम

अल्कोहल का अधिक सेवन तथा वायु या जल प्रदूषण के कारण आर्सेनिक, थैलियम या मर्क्युरी जैसी भारी धातुओं के संपर्क से भी तंत्रिकाएं क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। इसके उपचार में डॉक्टर खून की जांच कराते हैं। साथ ही खान-पान व सप्लीमेंट से पोषक तत्वों की पूर्ति की जाती है।

डायबिटिक न्यूरोपैथी

डायबिटीज के कारण रक्त में शुगर का स्तर लगातार ऊपर-नीचे होता है। डायबिटिक न्यूरोपैथी कई स्थितियों का समूह है, जिससे पैरों को नुकसान पहुंचता है। ग्लोबल डेटा एपिडेमियोलॉजिस्ट के आंकड़ों के अनुसार, डायबिटीज के लगभग 78 लाख मरीज डायबिटिक न्यूरोपैथी से पीड़ित हैं।

कारण: शुगर बढ़ने से तंत्रिकाएं क्षतिग्रस्त हो जाती हैं, विशेषकर जो पैरों में होती हैं। साथ ही धूम्रपान और शराब पीना समस्या को और गंभीर बना देता है।

लक्षण: पैर में सुन्नपन, झनझनाहट व दर्द होना।

उपचार: शुगर के स्तर को नियंत्रित रखें। तंत्रिकाओं के क्षतिग्रस्त होने से जो नुकसान पहुंच चुका है, उसे तो ठीक नहीं किया जा सकता है, पर उपचार से इसे गंभीर होने से बचाया जा सकता है।

बन्यन्स या गोखरू

ज्यादातर यह समस्या तंग जूते-चप्पल पहनने से होती है। इस कारण अंगूठे पर एक छोटा (गुमड़) उभर आता है। चिकित्सीय भाषा में इसे हैलक्स वालग्स कहते हैं। आगे से संकरें जूते पहनने के कारण यह समस्या महिलाओं में अधिक होती है। इससे उनकी चाल व संतुलन पर असर पड़ता है।

टखनों में दर्द

हमारे टखने हड्डियों, लिगामेंट्स, टेंडन और मांसपेशियों से मिलकर बने होते हैं। ये बहुत मजबूत होते हैं। चोट लगने या किसी स्वास्थ्य समस्या के कारण टखनों में परेशानी हो सकती है। टखनों में दर्द अंदर की ओर, बाहर की ओर या पीछे की ओर एचलीज टेंडन में हो सकता है। एचलीज टेंडन निचले पैर की मांसपेशियों को एड़ी की हड्डी से जोड़ता है।

कारण: चोट लगने, यूरिक एसिड बढ़ने या गठिया के कारण टखनों में समस्या हो सकती है। मोटापा, दौड़ना या लंबे समय तक खड़े रहने से भी यह दर्द होता है।

उपचार: दवाओं और फिजियोथेरेपी से टखनों के दर्द को ठीक करने की कोशिश की जाती है। नॉन-सर्जिकल उपायों से आराम नहीं मिलने पर सर्जरी का विकल्प चुना जाता है।

डीवीटी व तंत्रिकाओं की गड़बड़ी

पैर की डीप वेन्स यानी शिराओं में सूजन या थक्का बनने से पैर में रक्त प्रवाह कम हो जाता है या उसमें बदलाव आ जाता है। निचले हिस्से में खून पहुंचना बाधित हो जाता है, जिससे तेज दर्द होता है।

सुपरफेशियल थ्रॉम्बोफ्लेबिटिस: पैर की सुपरफेशियल शिराओं में रक्त का थक्का बनने के कारण त्वचा की सतह के नीचे वैरिकोस वेन्स या नीली नसों का जाल बन जाता है। ऐसे में रक्त नलिकाएं फट भी सकती हैं।

कुछ चिकित्सीय स्थितियां भी पैरों में दर्द का कारण हो सकती हैं। जब डायबिटीज, थायरॉइड के कारण तंत्रिकाएं क्षतिग्रस्त हो जाती हैं, तब उसका असर पैरों में भी दिखाई देता है। कुछ ऑटो-इम्यून कंडीशन जैसे गुल्लैन-बर्रे सिंड्रोम के पेरिफेरल नर्वस पर आक्रमण होता है, जिससे पैर में दर्द हो सकता है।

साभार :विशेषज्ञ : डॉ. शेखर श्रीवास्तव, सीनियर ऑर्थोपेडिक सर्जन एंड एचओडी, संत परमानंद हॉस्पिटल, दिल्ली, डॉ. रमणीक महाजन, सीनियर डायरेक्टर एंड हेड, जॉइन्ट रिकंस्ट्रक्शन युनिट, मैक्स हॉस्पिटल, साकेत, नई दिल्ली

मालदीव में छुट्टियां मना रही महिमा मकवाना, लाजवाब खानों का उठा रहीं लुफ्त

बालिका वधु और अतिंम्‍द फाइनल ट्रुथ की एक्ट्रेस महिमा मकवाना हाल ही में मालदीव में छुट्टियां मना रही हैं। एक्ट्रेस ने अपनी छुट्टियों के दौरान कई एक्टिविटीज कीं और तमाम लाजवाब खानों का लुफ्त उठाया।एक्ट्रेस ने बताया, मालदीव हमेशा से खूबसूरती की वजह से मेरी लिस्ट में रहा है।

मैं अलग-अलग जगहों को एक्सप्लोर करती रहती हूं। समुद्र में तैरना और कयाकिंग मेरे द्वारा अनुभव की गई सबसे अच्छी चीजों में से एक है। मैंने कुछ जापानी डिश भी आजमायी।उन्होंने आगे कहा, हालांकि मैं वहां सीमित समय के लिए थी। लेकिन मैं अगली बार यहां स्नॉर्केलिंगकरने की कोशिश करना पसंद करूंगी।

अलग-अलग देशों की यात्रा करना, अलग-अलग व्यंजनों को एक्सप्लोर करना और आजमाना हमेशा बहुत सुखद होता है। मालदीव हमेशा से एक प्रसिद्ध स्थान रहा है और मुझे खुशी है कि अब मैंने इसे अपनी लिस्ट में शामिल कर लिया है। मुझे लगता है कि यह एक ऐसी जगह है, जहां आप साल में कभी भी आ सकता है।

टीवी मेरा पहला प्यार, लेकिन मैं ओटीटी को एक्सप्लोर करना चाहती हूं: रूही चतुर्वेदी

कुंडली भाग्य की एक्ट्रेस रूही चतुर्वेदी टीवी का जाना-पहचाना चेहरा हैं, लेकिन उनका मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म अभिनेताओं को अपनी प्रतिभा दिखाने और व्यापक दर्शकों तक पहुंचने के विभिन्न अवसर प्रदान करते हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि उनका पहला प्यार हमेशा टीवी रहेगा।

एक्ट्रेस ने ओटीटी को एक्सप्लोर करने के बारे में बोलते हुए कहा, ओटीटी प्लेटफार्म ने अभिनेताओं के लिए नए रास्ते खोले हैं। इन प्लेटफार्मों पर कई कंटेंट उपलब्ध है और सभी के लिए कुछ न कुछ है। एक एक्टर के रूप में, मैं अलग-अलग जोनर में काम करने और नई भूमिकाओं के साथ प्रयोग करने को लेकर उत्साहित हूं।

उन्होंने कहा, टीवी हमेशा मेरा पहला प्यार रहेगा, लेकिन मैं इस तथ्य से इनकार नहीं कर सकती कि एक एक्टर के रूप में, अपनी प्रतिभा को व्यापक बनाना और खुद को कुछ भूमिकाओं तक सीमित नहीं रखना महत्वपूर्ण है।

रूही चतुर्वेदी लोकप्रिय रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी के अपकमिंग सीजन में नजर आएंगी, जो कंटेस्टेंट्स के फिजिकल और मेंटल स्ट्रेंथ का टेस्ट करती है। वह खतरनाक स्टंट करती नजर आएंगी।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

प्रदेश में मनरेगा के तहत रोजगार सृजन के दृष्टिकोण से कोण्डागांव जिला 6 वें स्थान पर

कोण्डागांव। जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनान्तर्गत स्वीकृत रोजगारमूलक कार्यों को कारगर ढंग से संचालित किया जा रहा है। जिसके फलस्वरूप जल संरक्षण जल संवर्धन संरचनाओं के निर्माण सहित वनाधिकार पट्टेधारकों को भूमि समतलीकरण, मेड़ बंधान, डबरी निर्माण तथा गौपालन शेड, कुक्कुटपालन शेड, सूकरपालन शेड निर्माण जैसे हितग्राहीमूलक कार्यों से लाभान्वित किया जा रहा है। इन सभी रोजगारपरक कार्यों के द्वारा वर्ष 2022-23 के तहत मनरेगा में निर्धारित लक्ष्य 26 लाख 29 हजार मानव दिवस रोजगार के अवसर सृजन के विरूद्ध 33 लाख 3 हजार मानव दिवस रोजगार के अवसर सृजित किया गया। प्रदेश में मनरेगा के तहत रोजगार के अवसर सृजन के दृष्टिकोण से कोण्डागांव जिला 6 वें स्थान पर है। कलेक्टर दीपक सोनी और अधिकारियों ने समय-सीमा की बैठक के दौरान जिले में मनरेगा के तहत उक्त विशेष उपलब्धि हासिल करने पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों सहित मनरेगा के अमले को बधाई देते हुए वर्ष 2023-24 में इस ओर बेहतर प्रदर्शन करने उनका उत्साहवर्धन किया। वहीं इस मौके पर जिले के अंतर्गत मनरेगा में रोजगार के अवसर सृजन हेतु उत्कृष्ट दायित्व निर्वहन करने वाले कार्यक्रम अधिकारी, तकनीकी सहायक और रोजगार सहायकों को प्रशास्ति पत्र प्रदान कर उन्हे सम्मानित किया गया। इसके साथ ही उन्हे निरंतर बेहतर कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। जिसके तहत निर्धारित लक्ष्य से अधिक रोजगार सृजन हेतु बड़ेराजपुर ब्लॉक के रोजगार सहायक ग्राम पंचायत खलारी सतलाल मरकाम को 307 प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने के लिये प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया। इसी तरह 206 प्रतिशत उपलब्धि हेतु तकनीकी सहायक बड़ेराजपुर विनोद नेताम, 260 प्रतिशत उपलब्धि के लिए केशकाल ब्लाक के रोजगार सहायक चिपरेल प्रकाश मातलाम,कोण्डागांव फूलनसिंह भद्रे एवं 256 प्रतिशत उपलब्धि हेतु माकड़ी के रोजगार सहायक पाथरी सुकन्तीन मरकाम को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

21 दिन के समर कैम्प में 50 विधाएं सीखेंगे स्कूली बच्चे

1000 बच्चों के फ्लैश मॉब के साथ हुआ पेकोर पंडुम का भव्य शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। जिला प्रशासन और स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित पेकोर पंडुम समर कैम्प के शुभारंभ पर 1000 स्कूली बच्चों ने सामूहिक फ्लैश मॉब कर उद्घाटन को रोचक और मनोरंजक बना दिया । बच्चों ने इस दौरान क्षेत्रीय विधायक एवं बस्तर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री विक्रम मंडावी और कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार कटारा से उनके स्कूली जीवन और खेल के प्रति रुचि को लेकर कई तरह के सवाल पूछे जिसका लुत्फउठाते हुए विधायक और कलेक्टर ने अपने जीवन के संस्मरण सुनाते हुए समाधान कारक जवाब दिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री विक्रम मंडावी ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए गर्मी की छुट्टियों में अपने प्रतिभाओं को निखारने तथा नए-नए विधाओं को सीखकर अपने जीवन में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया। कलेक्टर राजेन्द्र कुमार कटारा ने बच्चों को समर कैम्प का महत्व बताते हुए कहा कि पहली बार समर कैम्प में 50 विधाओं को शामिल कर सभी तरह के प्रतिभाओं को निखारने का एक मंच तैयार किया गया है। इस बार समर कैम्प में बुनियादी शिक्षा को विकसित करने के साथ कला एवं शिल्प, खेल, पाक कला, कम्प्यूटर, मूर्तिकला, चित्रकारी, सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत ढेर सारी गतिविधियों में अंदरूनी और दूर दराज के बच्चों को शामिल होने का मौका मिल रहा है। वर्तमान समय मे व्यक्ति को अनेक विधाओं में पारंगत होना चाहिए जिससे वे आगे चलकर अपने जीवन मे रुचि के अनुरूप आत्मनिर्भर बन सके।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुडियम, जनपद अध्यक्ष श्रीमती बोधी ताती, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री पुरषोत्तम सल्लुर, पार्षद जितेंद्र हेमला, पार्षद लक्ष्मण कडती, संयुक्त कलेक्टर पवन कुमार प्रेमी, जिला शिक्षा अधिकारी बी आर बघेल ने बच्चों का उत्साह वर्धन किया। ज्ञानगुड़ी एजुकेशन सिटी में आयोजित समर कैम्प में ग्रामीण और नगरीय बच्चों के लिए ढोलक तबला हारमोनियम एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य, लोक नृत्य, सॉफ्ट टॉयज़, चित्रकारी, रंगोली, मेहंदी, पाक कला, बांस शिल्प, कबड्डी, फुटबॉल, बैडमिंटन, तीरंदाजी, साफ्ट बाल, एथलेटिक्स, तैराकी, मार्शल आर्ट, जुडो, खिलौना निर्माण आदि विधाएं शामिल की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों के लिए आवासीय सुविधा के साथ प्रशिक्षण रखा गया है ।

रूचि की अभिव्यक्ति (तृतीय आमंत्रित)बीजापुर 02 मई 2023- बीजापुर जिले के 04 विकासखण्डों के 8 ग्राम पंचायतों मे महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क रीपा पर कार्य किया जा रहा है। प्रत्येक रीपा में आजीविका गतिविधियों एवं उत्पादन इकाईयों हेतु तकनीकी सहयोग एजेंसी ञ्ज्रस्न का चयन किया जाना है। ञ्ज्रस्न का कार्य मुख्य रूप से गतिविधियॉं चयन, बेरोजगार युवाओं-युवतियों, समितियों, महिला समूहों एवं उद्यमी का क्षमता संवर्धन, कौशल उन्नयन, बैकवर्ड एंड फॉरवर्ड लिंकेज, उत्पादों का मार्केट लिंकेज एवं ब्रांडिंग हेतु कार्य किया जाना है। साथ ही योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करना एवं सिंगल विंडो क्लीयरेंस स्थापित करने की प्रणाली विकसित करना है। गोठान सिमिति एवं प्रबंधन समिति का प्रशिक्षण, बिजनेस प्लान (बी-प्लान) तैयार करना, प्लान का क्रियान्वयन करना आदि कार्य भी शामिल है। इस हेतु प्रत्येक रीपा के लिए आवश्यक स्टॉफरीपा मैनेजर स्थाई रूप से नियुक्त करना होगा। जो जनपद पंचायत स्तर पर सहयोग एवं रिर्पोट प्रस्तुत करेंगे। इसके साथ-साथ जिला स्तर पर एक समन्वयक-मैनेजर नियुक्त करना होगा। जिसका उत्पादन विपणन एवं ब्रांडिग-पैकेजिंग में कार्य अनुभव न्यूनतम 03 वर्ष एवं शैक्षणिक योग्यता कम से कम ग्रेजुएशन होगा। इस हेतु इच्छुक संस्थाओं-फर्मों से मोहर बंद प्रपत्र में रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की जाती है। अन्य नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी कार्यालय जिला पंचायत बीजापुर के सूचना पटल पर एवं जिला कलेक्टर कार्यालय बीजापुर जिले की वेबसाईट http//bijapur.gov.in पर उपलब्ध है। वहीं निविदा हेतु प्रारंभ की तिथि 28 अप्रैल 2023 एवं अंतिम तिथि 11 मई 2023 सायं 5.30 बजे तक, प्राप्त निविदा खोलने की तिथि 12 मई 2023 दोपहर 3 बजे, संस्था का प्रस्तुतीकरण 12 मई 2023 को सायं 4.30 बजे रखी गयी है।

छत्तीसगढ़ में किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए संचालित की जा रही है सिल्क समग्र योजना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए रेशम पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है, छत्तीसगढ़ में इसके लिए सिल्क समग्र योजना-2 शुरू की गई है। इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए राज्य के 14 जिलों के रेशम अधिकारियों के तकनीकी उन्नयन के लिए केन्द्रीय रेशम बोर्ड बेंगलूरू और ग्रामोद्योग विभाग के रेशम प्रभाग के संयुक्त तत्वाधान में 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

एक मई से शुरू हुए प्रशिक्षण में अधिकारियों को किसानों को सहायता, कृषकों को प्रशिक्षण, विस्तार प्रबंधन, रेशम उत्पादन एवं व्यावसायिक उद्देश्य, क्लस्टर एप्रोच, शहतूती पौधों का विकास एवं प्रबंधन, रेशम विस्तार कृषकों के यहां बुनियादी सुविधाओं का विकास, अधोसंरचनाओं का निर्माण, शहतूत पौधों के रोग एवं कीट प्रबंधन, रेशम कीट पालन प्रबंधन एवं सावधानियां की जानकारी दी जा रही है। इस प्रशिक्षण में जशपुर, सरगुजा, बलरामपुर, सूरजपुर, कोरबा, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, रायपुर, मुंगेली, बिलासपुर, कांकेर, बस्तर, नारायणपुर, कोण्डागांव जिलों से जिला अधिकारी एवं प्रक्षेत्र अधिकारी शामिल हैं। प्रशिक्षण सत्र के शुभारंभ अवसर पर संचालक ग्रामोद्योग श्री अरूण प्रसाद पी0 और अपर संचालक डॉ0 राजेश बघेल, ने बताया कि छत्तीसगढ़ में किसानों के आमदनी को बढ़ाने के लिए रेशम विकास एवं विस्तार को प्रथम प्राथमिकता दी जा रही है।

प्रशिक्षण में कृषकों को दी जाने वाली वित्तीय एवं तकनीकी सुविधायें तथा राज्य सरकार के द्वारा कृषकों के हित में दी जाने वाली वित्तीय सुविधाओं की जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन डॉ0 सिद्धिकी अली अहमद, प्रोग्राम को-आर्डिनेटर, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बेंगलूरू के द्वारा किया जा रहा है। प्रशिक्षण में डॉ0 सुरेश के0, डॉ0शशिन्द्रन नायर, श्री आर0के0 सिन्हा, श्री सव्यसाची खान रेशम वैज्ञानिकों के द्वारा महत्वपूर्ण तकनीकी विषयों पर दी जा रही है।

इसके अलावा श्री अतुल शाह और सुश्री किरण चारी अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षणविदों के द्वारा रेशम विकास की योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है ।

पेज 1 का शेष...

परिवर्तित मार्ग से रवाना होने वाली गाडियां

1) 04 मई को दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 15160 दुर्ग-छपरा सारनाथ एक्सप्रेस गोंदिया जबलपुर ङ्ककटनी होकर रवाना होगी ।

2)04 मई, को कोरबा से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18239 कोरबा-इतवारी शिवनाथ एक्सप्रेस उरकुरा होकर रवाना होगी

3) 04 मई, को टाटानगर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18109 टाटानगर-इतवारी एक्सप्रेस उरकुरा होकर रवाना होगी।

4) 04 मई, 2023 को इतवारी से रवाना होने वाली गाडी संख्या18240 इतवारी-बिलासपुर शिवनाथ एक्सप्रेस उरकुरा-सरोना होकर रवाना होगी एवं सरोना स्टेशन में इस गाड़ी का अस्थायी ठहराव रहेगा।

5) 05 मई, को इतवारी से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18110 इतवारी-टाटानगर एक्सप्रेस उरकुरा-सरोना होकर रवाना होगी एवं सरोना स्टेशन में इस गाड़ी का अस्थायी ठहराव रहेगा।

6) 09 मई, को से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12854 भोपाल-दुर्ग अमरकंटक एक्सप्रेस उरकुरा-सरोना होकर रवाना होगी एवं उरकुरा स्टेशन में इस गाड़ी का अस्थायी ठहराव रहेगा।

7) 08 मई, को पूरी से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12994 पूरी- गांधीधाम एक्सप्रेस सम्बलपुर-झारसुगूढ-बिलासपुर-उरकुरा होकर रवाना होगी ।

8) 08 मई, को पूरी से रवाना होने वाली गाडी संख्या 20823 पूरी-अजमेर एक्सप्रेस सम्बलपुर-झारसुगूढ-बिलासपुर-उरकुरा होकर रवाना होगी ।

9) 08 मई, को अहमदाबाद से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12844 अहमदाबाद-पूरी एक्सप्रेस उरकुरा ङ्कबिलासपुर-झारसुगूढ होकर रवाना होगी।

10) 08 मई, को मुंबई से रवाना होने वाली गाडी संख्या 22848 मुंबई-विशाखापटनम एक्सप्रेस बिलासपुर-झारसुगूढ होकर रवाना होगी।

11) 04 से 09 मई, को गोंदिया से रवाना होने वाली गाडी संख्या 15232 गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस नैनपुर ङ्कजबलपुर ङ्ककटनी होकर रवाना होगी।

12) 03 से 08 मई, को बरौनी से रवाना होने वाली गाडी संख्या 15231 बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस कटनी ङ्कजबलपुर ङ्कनैनपुर होकर रवाना होगी ।

13) 09 मई, को दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18203 दुर्ग-कानपुर एक्सप्रेस गोंदिया जबलपुर कटनी होकर रवाना होगी ।

14) 09 मई, को छपरा से रवाना होने वाली गाडी संख्या 15160 छपरा-दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस कटनी जबलपुर ङ्कगोंदिया होकर रवाना होगी ।

15) 09 मई, को कोरबा से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18517 कोरबा-विशाखापटनम एक्सप्रेस झारसुगुड़ा रोड सम्बलपुर ङ्कटिटलागढ़ होकर रवाना होगी।

16) 09 मई, को विशाखापटनम से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12807 विशाखापटनम-निज़ामुद्दीन विजयवाड़ा - बल्हारशाह-नागपुर होकर रवाना होगी ।

17) 09 मई, को बिलासपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 17481 बिलासपुर ङ्कतिरुपति एक्सप्रेस झारसुगुड़ा रोड ङ्क सम्बलपुर ङ्कटिटलागढ़ होकर रवाना होगी

18) 09 मई, को सूरत से रवाना होने वाली गाडी संख्या 22828 सूरत -पूरी एक्सप्रेस उरकुरा-बिलासपुर-झारसुगुड़ा होकर रवाना होगी ।

19) 08 मई, को पूरी से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12994 पूरी-गांधीधाम एक्सप्रेस सम्बलपुर-झारसुगुड़ा रोड -बिलासपुर -उरकुरा- होकर रवाना होगी।

20) 08 मई, को पूरी से रवाना होने वाली गाडी संख्या 20823 पूरी-अजमेर एक्सप्रेस सम्बलपुर ङ्क झारसुगुड़ा रोड -बिलासपुर -उरकुरा- होकर रवाना होगी ।

परिवर्तित मार्ग उरकुरा होकर एवं उरकुरा स्टेशन में ठहराव होने वाली गाडियां

21) 09 मई, को से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12854 भोपाल-दुर्ग अमरकंटक एक्सप्रेस।

22) 08 मई, को शालीमार से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18030 शालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस।

23) 09 मई, को हावड़ा से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12810 हावड़ा-मुंबई मेल एक्सप्रेस ।

24) 08 मई, को शालीमार से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12102 शालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस ।

25) 08 मई, को हावड़ा से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12130 हावड़ा-पुणे आजाद हिन्द एक्सप्रेस ।

26) 08 मई, को कानपुर से रवाना होने वाली गाडी 18204 कानपुर-दुर्ग एक्सप्रेस ।

27) 08 मई, को हावड़ा से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12834 हावड़ा-अहमदाबाद एक्सप्रेस।

28) 09 मई, को कोरबा से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18237 कोरबा-अमृतसर एक्सप्रेस ।

29) 09 मई, को हावड़ा से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12262 हावड़ा-मुंबई एक्सप्रेस ।

30) 09 मई, को बिलासपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 22619 बिलासपुर-तिरुनेलवेली एक्सप्रेस ।

31) 09 मई, को रायगढ़ से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12069 रायगढ़ ङ्कगोंदिया जनशताब्दी एक्सप्रेस ।

32) 10 मई, को बिलासपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 20825 बिलासपुर-नागपुर एक्सप्रेस।

33) 09 मई, को पूरी से रवाना होने वाली गाडी संख्या 22866 पूरी-कुर्ला एक्सप्रेस ।

34) 09 मई, को हावड़ा से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12860 हावड़ा-मुंबई गीतांजलि एक्सप्रेस।

35) 08 मई, को अजमेर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18214 अजमेर-दुर्ग एक्सप्रेस ।

36) 09 मई, को दरभंगा से रवाना होने वाली गाडी संख्या 17008 दरभंगा-सिकंदराबाद एक्सप्रेस ।

37) 09 मई, को बिलासपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 20843 बिलासपुर-भगत की कोठी एक्सप्रेस ।

38) 10 मई, को रायगढ़ से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12409 रायगढ़-निज़ामुद्दीन गोडवाना एक्सप्रेस ।

39) 09 मई, को बिलासपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12855 बिलासपुर इतवारी एक्सप्रेस।

40) 09 मई, को टाटानगर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18109 टाटा-इतवारी एक्सप्रेस ।

41) 09 मई, को कोरबा से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18239 कोरबा-इतवारी शिवनाथ एक्सप्रेस ।

42) 09 मई, को सूरत से रवाना होने वाली गाडी संख्या 22828 सूरत ङ्कपूरी एक्सप्रेस ।

43) 09 मई, को कुर्ला से रवाना होने वाली गाडी संख्या 22511 कुर्ला- कामाख्या एक्सप्रेस।

44) 09 मई, को इंदौर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 20917 इंदौर ङ्कपूरी एक्सप्रेस।

45) 08 मई, को मुंबई से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12261 मुंबई-हावड़ा दुरन्तो एक्सप्रेस।

46) 09 मई, को दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 22867 दुर्ग ङ्क निज़ामुद्दीन एक्सप्रेस।

47) 09 मई, को इतवारी से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12856 इतवारी ङ्कबिलासपुर एक्सप्रेस।

48) 09 मई, को इतवारी से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18240 इतवारीङ्कबिलासपुर शिवनाथ एक्सप्रेस ।

49) 10 मई, को इतवारी से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18110 इतवारी ङ्कटाटा नगर एक्सप्रेस।

50) 08 मई, को चेन्नई से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12852 चेन्नई ङ्कबिलासपुर एक्सप्रेस ।

51) 09 मई, को दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12549 दुर्ग-जम्मू तवी एक्सप्रेस ।

52) 08 मई, को निज़ामुद्दीन से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12410 निज़ामुद्दीन-रायगढ़ एक्सप्रेस।

53) 08 मई, को कुर्ला से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12101 कुर्ला-शालीमार एक्सप्रेस ।

54) 08 मई, को पुणे से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12129 पुणे ङ्कहावड़ा एक्सप्रेस ।

55) 08 मई, को मुंबई से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12809 मुंबई ङ्कहावड़ा मेल एक्सप्रेस ।

56) 09 मई, को नागपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 20826 नागपुर-बिलासपुर एक्सप्रेस।

57) 09 मई, को गोंदिया से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12070 गोंदिया-रायगढ़ जनशताब्दी एक्सप्रेस ।

58) 09 मई, को दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12853 दुर्ग-भोपाल अमरकंटक एक्सप्रेस।

59) 09 मई, को दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18203 दुर्ग-कानपुर एक्सप्रेस ।

60) 09 मई, को दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08186 दुर्ग-हटिया स्पेशल ।

61) 09 मई, को दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18203 दुर्ग-कानपुर एक्सप्रेस ।

62) 08 मई, को कोचुवेलि से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18203 कोचुवेलि-कोरबा एक्सप्रेस।

63) 09 मई, को बीकानेर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 20846 बीकानेर-बिलासपुर एक्सप्रेस।

64) 09 मई, को अहमदाबाद से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12833 अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस।

65) 09 मई, को मुंबई से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12859 मुंबई-हावड़ा गीतांजलि एक्सप्रेस

देर से रवाना होने वाली गाडियां

1) 04 एवं 06 मई, को हावड़ा से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12860 हावड़ा-मुंबई गीतांजलि एक्सप्रेस 04 घंटे देरी से रवाना होगी ।

2) 04 मई, को हावड़ा से रवाना होने वाली गाडी संख्या 22894 हावड़ा-साईंनगर शिर्डी एक्सप्रेस 04 घंटे देरी से रवाना होगी ।

3) 04 मई, को शालीमार से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18030 शालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस 01 घंटे देरी से रवाना होगी ।

4)04 मई, को विशाखापटनम से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18530 विशाखापटनम-दुर्ग एक्सप्रेस 02 घंटे देरी से रवाना होगी ।

5) 04 मई, को छपरा से रवाना होने वाली गाडी संख्या 15159 छपरा-दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस 02 घंटे देरी से रवाना होगी ।

6) 05 मई, को रायगढ़ से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12409 रायगढ़-निज़ामुद्दीन गोडवाना एक्सप्रेस 01 घंटे देरी से रवाना होगी ।

7) 04 मई, को निज़ामुद्दीन से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12808 निज़ामुद्दीन- विशाखापटनम एक्सप्रेस 02 घंटे देरी से रवाना होगी ।

8) 04 मई, को मुंबई से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12859 मुंबई-हावड़ा गीतांजलि एक्सप्रेस 06 घंटे देरी से रवाना होगी ।

9) 04 मई, को अहमदाबाद से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12833 अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस 06 घंटे देरी से रवाना होगी ।

10) 04 मई, को हटिया से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08185 हटिया-दुर्ग एक्सप्रेस 01 घंटे देरी से रवाना होगी ।

11) 06 मई, को पूरी से रवाना होने वाली गाडी संख्या 22974 पूरी-गांधीधाम एक्सप्रेस 04 घंटे देरी से रवाना होगी ।

12) 06 मई, को गांधीधाम से रवाना होने वाली गाडी संख्या 22973 गांधीधाम-पूरी एक्सप्रेस 06 घंटे देरी से रवाना होगी ।

13) 06 मई, को शालीमार से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18030 शालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस 01 घंटे देरी से रवाना होगी ।

14) 06 मई, को विशाखापटनम से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18530 विशाखापटनम-दुर्ग एक्सप्रेस 02 घंटे देरी से रवाना होगी ।

15) 06 मई, को छपरा से रवाना होने वाली गाडी संख्या 15159 छपरा-दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस 02 घंटे देरी से रवाना होगी ।

16) 07 मई, को रायपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08527 रायपुर-विशाखापटनम पेसेंजर स्पेशल 01 घंटे देरी से रवाना होगी ।

17) 07 मई, को रायगढ़ से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12409 रायगढ़-निज़ामुद्दीन गोडवाना एक्सप्रेस 01 घंटे देरी से रवाना होगी ।

18) 07 मई, को सांतरागाछी से रवाना होने वाली गाडी संख्या 20822 सांतरागाछी-पुणे एक्सप्रेस 01 घंटे देरी से रवाना होगी ।

19) 09 मई, को विशाखापटनम से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18518 विशाखापटनम-कोरबा एक्सप्रेस 03 घंटे देरी से रवाना होगी ।

20) 09 मई, को निज़ामुद्दीन से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18518 निज़ामुद्दीन- विशाखापटनम एक्सप्रेस 03 घंटे देरी से रवाना होगी ।

21) 09 मई, को छपरा से रवाना होने वाली गाडी संख्या 15159 छपरा-दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस 03 घंटे देरी से रवाना होगी ।

22) 09 मई, को अम्बिकापुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18242 अम्बिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस 03 घंटे देरी से रवाना होगी ।

23) 09 मई, को शालीमार से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18030 शालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस 03 घंटे देरी से रवाना होगी ।

24) 09 मई, को भोपाल से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12854 भोपाल-दुर्ग अमरकंटक एक्सप्रेस 03 घंटे देरी से रवाना होगी ।

25) 10 मई, को झारसुगुढ़ा से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08862 झारसुगुढ़ा-गोंदिया स्पेशल 03 घंटे देरी से रवाना होगी ।

डाटा कलेक्शन के लिए रायपुर स्मार्ट सिटी को मिली राष्ट्रीय स्तर पर सराहना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशन में शहर विकास और जन सुविधाओं से संबंधित आँकड़े के बेहतर व उपयोगी संकलन के लिए रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है । उन्होंने इस आशय का प्रशंसा पत्र रायपुर स्मार्ट सिटी के एम डी श्री मयंक चतुर्वेदी को प्रेषित किया है , साथ ही चंडीगढ़ में आयोजित एक भव्य समारोह में मुख्य परिचालन अधिकारी उज्जवल पोरवाल रायपुर स्मार्ट सिटी के लिए उनके हाथों सम्मानित भी किए गए इन उपलब्ध आँकड़ों के समुचित उपयोग से नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए लागू किए जाने वाले नवाचारों का क्रियान्वयन सुगम हो सकेगा ।

रायपुर स्मार्ट सिटी लि. द्वारा बुनियादी जन सुविधाओं के उपयोग संबंधी ये आँकड़े एकत्र कर इंडिया अर्बन डाटा एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत भारत सरकार को उपलब्ध कराए गए थे । इन आँकड़ों का उपयोग नागरिक सुविधाओं को विस्तारित करने संचालित होने वाले नवाचारों में होगा । रायपुर स्मार्ट सिटी ने ये डाटा नगर निगम, स्मार्ट सिटी मिशन के प्रोजेक्ट के साथ ही सुविधाओं और जन सेवा के लिए कार्य कर रहे अन्य शासकीय विभागों द्वारा संचालित कार्यक्रमों व कार्ययोजनाओं से संबंधित हैं , आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव व स्मार्ट सिटी मिशन के डायरेक्टर श्री कुणाल कुमार एवं भारत सरकार के इंडिया अर्बन डाटा एक्सचेंज प्रोग्राम के सीईओ डॉ. इंदर गोपाल ने इन आँकड़ों को नवाचारों के लिए उपयुक्त आँकड़ें मानते हुए रायपुर स्मार्ट सिटी लि. के प्रयासों को सराहा है ।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

जगदलपुर में भिड़ गए आईपीएस और कांग्रेस नेता, थाने के बाहर कांग्रेसियों का हंगामा

जगदलपुर। जगदलपुर में मंगलवार को कांग्रेस नेता व आईपीएस के बीच झूमा झटकी हो गई। नगर पुलिस अधीक्षक आईपीएस विकास कुमार और सांसद प्रतिनिधि सुशील मौर्य आपस में भिड़ गए। बताया जा रहा है कि आईपीएस ने एक अन्य कांग्रेसी नेता लात मार दी इसके बाद यह पूरा बवाल हुआ। घटना के बाद बड़ी संख्या में कांग्रेसी नेता थाना परिसर में पहुंच गए हैं और सीएसपी से माफी मांगने की मांग कर रहे हैं। इधर घटना की जानकारी के मिलने के बाद एसपी सहित आला अधिकारी थाने पहुंचे हुए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार आईपीएस विकास कुमार यहां जगदलपुर में सीएसपी के पद पर हैं। बताया जा रहा है कि गुटखा खाते हुए थाने पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ता महेश द्विवेदी को सीएसपी विकास कुमार ने लात मार दी। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता ने सांसद प्रतिनिधि सुशील मौर्य को बुलाया तो वे कई समर्थकों के साथ थाने पहुंचे। थाने में सांसद प्रतिनिधि के साथ सीएसपी की तीखी बहस हो गई। मामला गरमाने लगा और हाथापाई की नौबत आ गई।

छत्तीसगढ़ की जगदलपुर पुलिस की गिरफ्त में आए दो शातिर ठग

एक बीएसएफ का अफसर तो दूसरा क्रेडिट कार्ड के बहाने करता था ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जगदलपुर पुलिस ने दो शातिर ठगों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी बिहार निवासी प्रकाश कुमार की गिरफ्तारी गुरुगांव के मानेसर से की गई है। जबकि दूसरे आरोपी अमन गौतम को पुलिस ने सेंट्रल दिल्ली के इंदरपुरी से पकड़ा है। आरोपियों के पास से पुलिस ने चार मोबाइल, अलग-अलग बैंकों के पासबुक और आधार कार्ड बरामद किए हैं। आरोपी प्रकाश कुमार खुद को बीएसएफ का अफसर बताता था। फिर सेना में नौकरी का झांसा देकर लोगों से ठगी करता। वहीं आरोपी अमन गौतम क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने या बंद कराने के नाम पर फ्रॉड करता।

जानकारी के मुताबिक, छोटेदेवड़ा निवासी कमललोचन बघेल ने बस्तर थाने में मामला दर्ज कराया था कि, उसके मोबाइल पर एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को बीएसएफ का अफसर बताया। फिर बीएसएफ में नौकरी लगवाने की बात कही। आरोपी ने विश्वास दिलाने के लिए अपना आईडी कार्ड भी व्हॉट्सएप पर भेजा। उसकी बातों में आकर कमल लोचन ने किस्तों में 1.80 लाख रुपये यूपीआई के जरिए उसके एसबीआई खाते में ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद आरोपी ने अपना मोबाइल बंद कर लिया। इस पर पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी प्रकाश कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

कार्ड बंद कराने के लिए भेजा ओटीपी और निकाल लिए रुपये

वहीं दूसरे मामले में परचनपाल निवासी नंद किशोर शाक्य ने शिकायत दर्ज कराई कि, उसके मोबाइल पर कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को बैंक कर्मचारी बताते हुए क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने की बात कही। इस पर नंद किशोर ने क्रेडिट कार्ड की जरूरत नहीं होने और उसे बंद करने को कहा। इसके बाद कॉल करने वाले ने प्रोसेस के लिए ओटीपी भेजने और उसे बताने के लिए कहा। उसकी बातों में आकर नंद किशोर ने जानकारी दे दी। इस पर उसके खाते से 84,301 रुपये निकल गए। पुलिस ने साइबर सेल की मदद से आरोपी अमन गौतम को गिरफ्तार कर लिया है।

साइबर फ्रॉड से बचने इन बातों का रखें ध्यान

- एटीएम ब्लॉक होने करने, केवाईसी अपडेट कराने खाता को आधार से लिंक कराने, एवं सिम अपडेट करने के नाम पर आनलाईन ठगी किया जाता है, ऐसे फोन कॉल से सावधान रहें।
- रिमोट एक्सेस एप डाउनलोड कराकर मोबाइल बैंकिंग से न्यूनतम राशि का आहरण कराकर ठगी किया जाता है, ऐसे आहरण से बचे।
- अपने मोबाईल में डाटा प्रोटेक्सन हेतु एंटी वायरस अवश्य डलवायें और समय समय पर पासवर्ड बदलते रहें।
- गूगल में उपलब्ध कस्टमर केयर नंबर का प्रयोग करने से पहले इसकी जांच कर लें।
- अनजान व्यक्ति से बैंक एकांउट डिटेल तथा ओटीपी, एम-पिन आदि महत्वपूर्ण जानकारी शेयर न करें।
- साइबर ठगी के संबंध में शासन के वेबसाइट, एनसीसीआर पोर्टल एवं टोल-फ्री नंबर 1930 पर अपनी शिकायत कहीं पर भी दर्ज करवा सकते हैं।

मातम में बदली शादी की खुशी करंट लगने से शख्स की मौत

स्विच को चालू करते ही करंट की चपेट में आया

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में शादी की खुशियां एक पल में मातम में बदल गई। बेटी की शादी की तैयारी के दौरान पिता ने बिजली का स्विच छुआ और उसे ऐसा करंट लगा कि वह वहीं चिपक कर रहा गया। चीखने की आवाज सुनकर परिवार के अन्य लोग पहुंचे लेकिन उसे छछुड़ा नहीं पाए। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। यह दर्दनाक मामला कांकेर जिले के टहंकापार गांव का है।

मिली जानकारी के अनुसार टहंकापार गांव सोनू राम पटेल(45) की बेटी की शादी 2 मई को होनी थी। घर परिवार वाले शादी की तैयारियों में जुटे हुए थे। सोमवार को घर पर गीत संगीत का कार्यक्रम हुआ और पूरा घर खुशियों से भरा हुआ था। इस बीच मंगलवार को सोनू राम घर पर कुछ काम कर रहा था इस दौरान उसने बिजली का स्विच दबाया तो उसे जोर का करंट लगा।

करंट का झटका ऐसा था कि सोनू राम जोर से चरख उठा। परिवार वाले दौड़े और सोनू राम को वहां से हटाने का प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हो सके। करंट लगने से सानू राम वहीं चिपक कर रहा गया। घर वालों ने मेन स्विच बंद किया और सोनू राम को अस्पताल ले गए लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। एक दिन पहले जिस घर में शादी की खुशियां थी उस घर में पलक झपकते ही दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है।

सरगुजा में पकड़ाए दुर्ग के बुकी, महादेव एप व आईपीएल मैच में सट्टा का चल रहा था खेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। आईपीएल की खुमारी के बीच सरगुजा की प्रतापपुर पुलिस ने महादेव एप और आईपीएल सट्टा लगा रहे पांच सटोरियों को गिरफ्तार किया है। खासबात यह है कि यहां पर सट्टा खिलाने वालों में दुर्ग के तीन बुकी शामिल है। सटोरियों ने यहां के किराए का मकान ले रखा था और इसी मकान में यह सभी आनलाइन सट्टा खिला रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 6, 7 के तहत कार्रवाई की है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रतापपुर पुलिस को मुखबिर के जरिए ग्राम खोरमा सरनापारा स्थित किराये के मकान में ऑनलाइन सट्टा खिलाए जाने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने यहां से पांच सटोरियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से अनिल यादव (25) केलाबाड़ी थाना पद्मनाभपुर जिला दुर्ग, बिलास सिंघारे (26) केलाबाड़ी थाना पद्मनाभपुर जिला दुर्ग, मोहम्मद उमर अली (28) जेलपारा थाना सूरजपुर, मोहम्मद अमन (25) जेलपारा सूरजपुर और विजय चन्द्राकर (41) आमालोरी थाना पाटन जिला दुर्ग को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने 25 मोबाइल, तीन लैपटाप, चार्जर, इन्वार्टर बैट्री, पेन मार्कर, दो मोटरसाइकिल आदि जब्त किया है।

मिर्ची पाऊडर के बहाने घर में घुसा बदमाश, नाबालिग से किया दुष्कर्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में पड़ोस में रहने वाले एक युवक ने नाबालिग लड़की से दुष्कर्म किया। आरोपी मिर्ची पाउडर लेने के बहाने लड़की के घर गया था। उस समय घर में कोई नहीं था। जब परिजन घर पहुंचे तो लड़की ने उन्हें सारी बात बताई। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने महज पांच घंटे में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गए आरोपी को लड़की मामा कहती थी। वमामला कटघोरा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, स्थानीय निवासी 17 साल की लड़की 30 अप्रैल को घर में अकेली थी। उसके परिजन काम पर गए हुए थे। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला युवक मंगल गोस्वामी दोपहर करीब 12 बजे उसके घर पहुंचा और मिर्ची पाउडर मांगा। इस पर लड़की मिर्ची पाउडर लेने अंदर चली गई। आरोप है कि तभी मंगल ने दरवाजा बंद कर दिया और लड़की से दुष्कर्म किया।

शाम को जब लड़की के माता-पिता पहुंचे तो उसकी हालत ठीक नहीं थी। इसके बाद लड़की ने सारी बात परिजनों को बताई। परिजन थाने पहुंच और मामला दर्ज कराया। उनकी शिकायत पर पुलिस ने आरोपी मंगल गोस्वामी को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पहले से ही जानता था कि लड़की अकेली है। इसके चलते षड्यंत्र पूर्वक वह मिर्ची मांगने के बहाने आया था। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

बिलासपुर में नर्सिंग छात्र की हत्या कर झाड़ियों में फेंकी लाश, हत्यारों की तलाश में पुलिस

■ छात्र अपने मामा के घर रहकर कर रहा था पढ़ाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में नर्सिंग के छात्र की हत्या कर लाश को झाड़ियों में फेंक दिया गया। सोमवार रात 9 बजे के बाद घर से निकला छात्र रात भर नहीं लौटा। परिजन उसे तलाशते रहे और मंगलवार को उसकी लाश मिली। शव पर चोट के निशान देखकर पुलिस ने हत्या की आशंका जताई है। फिलहाल पुलिस ने आरोपियों तक पहुंचने आसपास के सीसी टीवी फुटेज तलाशने शुरू कर दिए हैं। मामला बिलासपुर के कोनी थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह तुर्काडीह पुल के पास झाड़ियों के बीच एक युवक शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों से मृतक की पहचान कराई। इस दौरान मृतक सीपत थाना क्षेत्र के निपनिया निवासी अमित सूर्यवंशी (20) के रूप में हुई। वह कोनी में नर्सिंग की पढ़ाई कर रहा था और यहां गतौरा में अपने मामा काशीराम के घर पर रह रहा था। पुलिस ने परिजनों के सामने पंचनामा का शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने इसे हत्या का मामला माना है। मृतक के शरीर पर जगह जगह चोट के निशान है और गले पर भी गमछे से घोंटे जाने का निशान बना हुआ है। पूछताछ में पता चला कि सोमवार रात 9 बजे तक वह अपने मामा के गांव में ही देखा गया था। इसके बाद देर रात तक नहीं लौटा तो उसके मामा व अन्य रिश्तेदारों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। इधर मंगलवार सुबह उसकी लाश मिली है। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

बेमेतरा : अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझी, 13 दिन बाद पकड़ाया आरोपी

उधार का पैसा वापस मांगने पर बुजुर्ग दंपत्ति की हत्या

■ 20 अप्रैल को बेरला थाना क्षेत्र के ग्राम सलिघट में मिली थी बुजुर्ग दंपत्ति की लाशें

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के बेरला थाना क्षेत्र में बुजुर्ग दंपत्ति की हत्या का खुलासा हो गया है। बेरला पुलिस ने 12 दिन पर आरोपी पकड़ने में सफल हुई है। मंगलवार को बेमेतरा पुलिस ने इस मामले का खुलासा किया। इस मामले में पुलिस ने 50 साल के शख्स को गिरफ्तार किया है। उधार का पैसा वापस मांगने के कारण शख्स ने बुजुर्ग दंपत्ति की हत्या कर दी। पहले उसने बजुर्ग को मारा और उसके बाद उसकी पत्नी की हत्या की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

बता दें जिले के बेरला थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिलघट में 20 अप्रैल को बुजुर्ग दंपत्ति की रक्त रंजित लाशें मिली थी। ग्राम सिलघट के बंजारी मंदिर के पास खेत में बने मकान में रहने वाले बीएसपी रिटायर्ड सुखीराम निषाद व उसकी पत्नी श्यामवती निषाद की अज्ञात व्यक्ति द्वारा धारदार हथियार से हत्या की दी गई थी। आसपास सीसी टीवी कैमरे नहीं होने से पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। आसपास ग्रामीणों से पूछताछ में पुलिस को कन्हैया मरकाम (50) के बारे में पता चला। पुलिस को जानकारी कन्हैय्या ने मृतक से काफी पैसा उधार लिया था।

कर्ज के रुपए वापस लौटाने दबाव बना रहा था बुजुर्ग

इसके बाद पुलिस ने कन्हैय्या को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने सारी सच्चाई बता दी। आरोपी कन्हैया मरकाम ने पुलिस को बताया कि मृतक सुखीराम निषाद से उसने कर्ज लिया था। सुखीरात कर्ज का पैसा को वापस करने के लिए लगातार दबाव बना रहा था। इससे परेशान होकर उसने 19 अप्रैल की रात सुखीराम निषाद की गला घोंटकर हत्या कर दी। कन्हैय्या को यह करते उसकी पत्नी ने देख लिया तो उसने उसकी भी धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी। इतना ही नहीं जाते-जाते कन्हैय्या ने कही सुखलाल जिंदा न हो जाए यह सोचकर उसका भी गला रेत दिया। फिलहाल पुलिस ने आरोपी कन्हैय्या को जेल भेज दिया है।

कार्यालय कलेक्टर (नाजरात शाखा) दुर्ग

क्रमांक/ /जिला-नाजिर /निविदा/2023   दुर्ग, दिनांक /04/2023

निविदा

जिला कार्यालय दुर्ग परिसर में सायकल / स्कूटर स्टैण्ड का संचालन हेतु निविदा आमंत्रण

जिला कार्यालय दुर्ग परिसर में वाहन स्टैण्ड का संचालन हेतु 25 मई 2023 से 31 मार्च 2024 तक के लिये निविदा दिनांक 19.05.2023 दोपहर 2.00 बजे तक स्पीड पोष्ट / पंजीकृत डाक से आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र एवं निविदा नियम, शर्तों अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से रुपये 500.00 नगद भुगतान कर प्रकाशन दिनांक से दिनांक 12.05.2023 तक स्वतः उपस्थित होकर दोपहर 2.00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है। निविदा की शर्तें तहसील कार्यालय, दुर्ग एवं जिला कार्यालय, दुर्ग के नोटिस बोर्ड में अवलोकन किया जा सकता है एवं दुर्ग जिले के वेबसाइड durg.gov.in पर भी देखा जा सकता है।

निविदा अंतिम तिथि दिनांक 19.05.2023 दोपहर 02.00 बजे तक इस कार्यालय में स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक से निर्धारित समयावधि में प्राप्त हो जाना चाहिए, विलंब से प्राप्त निविदा मान्य नही होगा। निविदा जिला कार्यालय के प्रभारी अधिकारी (नाजरात शाखा के समक्ष) दिनांक 23.05.2023 को शाम 05.00 बजे खोली जावेगी। निविदा खोलते समय निविदादाता स्वयमेव या उनके एक प्रतिनिधि उपस्थित रह सकता है।

केवल उसी निविदादाताओं की निविदा को मान्य किया जावेगा, जो प्रभारी अधिकारी नाजरात शाखा जिला कार्यालय, दुर्ग के कार्यालय से नियमानुसार निविदा प्रपत्र प्राप्त की गई हो। निविदा लिफाफे के ऊपर सायकल / स्कूटर स्टैण्ड निविदा स्पष्ट लिखा जाना आवश्यक है।

डिप्टी कलेक्टर
वास्ते- कलेक्टर, दुर्ग

G-00820/3

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

भिलाई निगम में इंजीनियर्स के प्रमोशन का रास्ता साफ
एमआईसी की बैठक में पदोन्नती के सभी प्रस्ताव पास

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम में इंजीनियर्स की पदोन्नती का रास्ता साफ हो गया है। मंगलवार को निगम में महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता तथा अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी की उपस्थिति में हुई महापौर परिषद की बैठक में इंजीनियर्स के पदोन्नति के सभी प्रस्ताव पारित कर दिए गए हैं।

बैठक में कार्यपालन अभियंता से अधीक्षण अभियंता पद, सहायक अभियंता से कार्यपालन अभियंता पद, उप अभियंता से सहायक अभियंता पद, उप अभियंता से सहायक नगर निवेशक पद पर पदोन्नति से संबंधित सभी प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पास कर दिया गया।

इसके अलावा बैठक में प्रोग्रामर को समयमान वेतनमान दिए जाने के विषय पर भी मुहर लग गई। मुख्यमंत्री घोषणा के तहत भिलाई निगम क्षेत्र में 500 सीट शहरी महिला आजीविका केंद्र के निर्माण की प्रशासकीय स्वीकृति महापौर परिषद ने दे दी है। नेहरू नगर पुल से सेक्टर 10 चौक तक रोड के किनारे दोनों तरफ फुटपाथ निर्माण का काम भी होगा। मदर टेरेसा नगर जोन क्षेत्र में वार्ड क्रमांक 31 वार्ड क्रमांक 34 में डामरीकरण कार्य की मंजूरी महापौर परिषद ने दी है।

इसके साथ ही महत्वपूर्ण प्रस्ताव स्वच्छता से संबंधित रहा जिसे आज महापौर परिषद ने सर्वसम्मति से पारित कर दिया है। भिलाई निगम के द्वारा टाउनशिप क्षेत्र में सफाई पर होने वाले खर्चे का वार्षिक आंकलन किया गया है, अगर बीएसपी द्वारा सफाई पर होने वाली राशि को निगम को दिया जाता है तो भिलाई निगम टाउनशिप क्षेत्र में सफाई व्यवस्था लेने को तैयार है तथा टाउनशिप क्षेत्र में आने वाले वार्डों में नाली, सड़क, बाजार एवं तिपहिए पहिए रिक्शे-ई-रिक्शा से आवासीय एवं व्यवसायिक क्षेत्र में डोर टू डोर कचरा संग्रहण कार्य तथा अन्य कार्य करेगा। बैठक में महापौर परिषद के सदस्य लक्ष्मीपति राजू, सीजू एंथोनी, साकेत चंद्राकर, केशव चौबे, संदीप निरंकारी, एकांश बंछोर, मन्नान गफ्फार खान, चंद्रशेखर गवई, लाल चंद वर्मा, रीता सिंह गेरा, नेहा साहू, मीरा बंजारे एवं अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

खास - खबर

निगम प्रशासन ने 7 कर्मचारियों को दी स-सम्मान विदाई

भिलाई। 62 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नगर पालिक निगम के 07 कर्मचारियों को ससम्मान विदाई दी गई। निगम प्रशासन की ओर से कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह, शॉल और श्रीफल भेंट करते हुए सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना किया गया। इसके पूर्व सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों ने भिलाई निगम में सेवाकाल के दौरान आई कठिन परिस्थितियों को बताते हुए अपने अनुभव को साझा करते हुए सभी को कार्यालय में आपसी सामंजस्य बनाकर कार्य करने के लिए प्रेरित किए। स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेन्द्र मिश्रा ने कहा कि सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों ने निगम के हर कठिन परिस्थितियों में काम करते हुए कई उपलब्धियां हासिल किए है जिसके लिए उन्होंने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किए और सेवानिवृत्त होने के बाद अब आप सभी पूरे परिवार के साथ अच्छा जीवन बिताएं और अपने अनुभवों के साथ समाज के अच्छे कार्यों में सहभागी बने। इसी प्रकार सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के साथ कार्य करने वाले अन्य कर्मचारियों ने उनके साथ बिताए समय को याद करते हुए उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य किए और सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को भरोसा दिलाया कि सेवानिवृत्त होने के बाद भी निगम परिवार का एक हिस्सा है, किसी भी समस्या में निगम प्रशासन की ओर से सहायता की जाएगी। 62 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नगर पालिक निगम भिलाई के श्रीमती विजय लक्ष्मी तिवारी पति स्व. राकेश तिवारी भृत्य, बी. डेविड आ. स्व. बी. कोण्डैया सफाई कामगार, भुवन राम यादव आ. स्व. नम्मूराम यादव चैकीदार, श्रीमती अमृत बाई पति स्व. राधेलाल वार्ड प्यून, जयप्रकाश चौरे आ. स्व. बालकृष्ण चौरे हेल्पर क्लीनर, नकुल राम मिर्झा आ. तुलुवा राम चैकीदार, लक्ष्मैया आ. तातैया सफाई कामगार कर्मचारियों को सेवानिवृत्त होने पर बिदाई दी गई।

8 मृतिकों के परिजन को मिली 32 लाख रुपए की आर्थिक सहायता

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने दुर्घटना में 8 मृतकों के परिजन को चार-चार लाख रूपये के मान से कुल 32 लाख रूपये आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के सेक्टर-2 भिलाई निवासी श्रीमति सविता की विगत 7 अगस्त 2022 को तालाब में डुबने से मृत्यु हो गई थी। इसी प्रकार हरणा बांधा निवासी स्वप्निल कुमार नायडू का विगत 6 अक्टूबर 2022 को तालाब में डुबने से मृत्यु हो गई थी। रिसाली निवासी शैलेन्द्र नेताम का विगत 29 मई 2022 को नहाते समय डूबने से मृत्यु हो गई थी। दुर्ग निवासी थनेन्द्र देवांगन की विगत 26 अक्टूबर 2022 को नदी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। चंगोरी निवासी रमेश कुमार कंवर का विगत 14 अक्टूबर 2021 को एनिकट पार करते समय नदी में गिर जाने से मृत्यु हो गई थी। सुपेला भिलाई निवासी विकास प्रसाद गुप्ता का विगत 22 जनवरी 2022 को नदी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। सुपेला निवासी आदित्य साव का विगत 19 नवंबर 2021 को नदी में डूब जाने से मृत्यु हो गई थी। किकिरमेटा निवासी प्रशांत पटेल का विगत 23 अगस्त 2022 को जहरीला सांप के काटने पर जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई थी। कलेक्टर द्वारा राजस्व आपदा प्रबंध के प्रावधानों के अनुरूप मृतिका स्व. श्रीमति सविता सिंह के पति शिवमणी सिंह, मृतक स्व. आदित्य साव के पिता ओमप्रकाश साव एवं मृतक स्व. प्रशांत पटेल के पिता सोनूराम पटेल को 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

राजस्व प्रकरणों का निराकरण समय-सीमा में पूर्ण करें-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राजस्व विभाग से संबंधित प्रकरणों को लेकर कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने समीक्षा बैठक ली। सभी अनुविभाग के अनुविभागीय अधिकारीयों को अविवादित बंटवारे से संबंधित प्रकरण लंबित नहीं होने के कारण कलेक्टर ने प्रशंसा की। उन्होंने अबादी पट्टा के प्रकरणों का भी निराकरण शीघ्र पूर्ण करने के कहा। अहिवारा के 5 प्रकरणों के संबंध में अनुविभागीय अधिकारी ने बताया कि जमीन दी जा रही है।

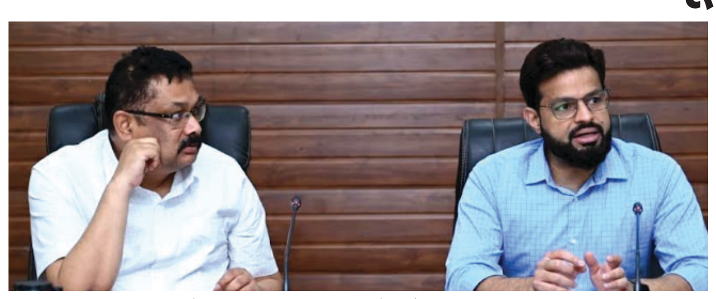

तहसील पाटन के अंतर्गत आबादी पट्टा नवीनीकरण से संबंधित प्रकरण के लिए जांच किया जा रहा है।

जांच उपरांत पट्टा नवनीकरण का कार्य किया जाएगा। अतिक्रमण हटाने के मामले में एसडीएम ने बताया कि सरपंच के साथ समन्वय बनाकर अतिक्रमण हटाये जाने का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर ने सीमांकन के प्रकरणों को भी शीघ्र पूर्ण करने तथा राजस्व से संबंधित प्रकरण निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने को कहा। अविवादि नामांतरण के 40085 प्रकरणों में से 33708 का निराकरण हो चुका है। विवादित खाता विभाजन प्रकरणों की संख्या 845 है उनमें से 685 का निराकरण व विवादित नामांतरण के मामले 4385 में से 3852 को निराकरण हो चुका है। इसी प्रकार अविवादित खाता विभाजन के मामले 1484 उनमें से 1173 मामलों का निराकरण हो चुका है। समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर ने कहा कि भेंट मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री से विभिन्न समाजिक संगठनों ने जमीन की मांग की थी। समाज को जमीन देने के मामले में जांच कर जमीन दिलाने का कार्य जल्द पूर्ण करें। कलेक्टर ने चिटफंड के मामलों का निराकरण आगामी सप्ताह से करने को कहा। उन्होंने कहा कि जिनका पैसा चिटफंड में लगा है उन सभी निवेशकों के प्रकरणों का निराकरण आगामी सप्ताह में किया जाए। अविवादित आवेदन का निराकरण कर भुगतान की कार्यवाही किया जाए। इस दौरान उन्होंने चिटफंड से संबंधित हितग्राहियों को 30 प्रतिशत राशि का भुगतान करने को कहा।

विभागों को प्राप्त प्रकरणों का निराकरण हो समयावधि में

कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा के निर्देश के परिपालन में जिला पंचायत के सीईओ अश्वनी कुमार देवांगन ने आज अधिकारियों की बैठक में समय सीमा प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। बैठक में अपर कलेक्टर अरविंद एक्का भी मौजूद थे। समीक्षा के दौरान अधिकारियों को मुख्यमंत्री जनदर्शन, पीजीएन और कलेक्टर जन चौपाल से संबंधित प्राप्त आवेदनों का निराकरण समय सीमा के भीतर करने कहा गया। बैठक में जिले के प्रत्येक जनपद में एक-एक आदर्श गौठान का निर्माण तथा गौठान को मल्टीएक्टिविटी सेंटर के रूप में विकसित करने जनपद सीईओ को निर्देशित किया गया। जिले में आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्य में प्रगति लाने नगरीय निकायों एवं जनपद क्षेत्रों में टीम संख्या बढ़ाने कहा गया।

नियमानुसार निर्माण न पाए जाने पर कॉलोनी प्रबंधन पर होगी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने आज जिले के सभी नगरीय निकायों की कार्य प्रगति व शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने नगर निगम आयुक्तों को वैध अवैध कॉलोनियों का निरीक्षण कर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है।

नगरीय निकायों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि सप्ताह में एक बार नगर निगम के आयुक्त सभी कॉलोनियों का निरीक्षण करेंगे तथा वैधता की जांच करेंगे। इसके अलावा कॉलोनियों का निर्माण नियमानुसार हुआ है कि नहीं इसकी भी जांच की जाएगी। अनियमित कॉलोनियों का जांच कर कार्रवाई की जाएगी। वर्तमान में भिलाई नगर निगम के अंतर्गत कलेक्टर के निर्देशों का पालन करते हुए कॉलोनियों का निरीक्षण कर 7 कॉलोनी को नोटिस दिया गया है। नगर निगम दुर्ग द्वारा अब तक 31 कॉलोनियों का निरीक्षण किया जा चुका है।

नगर निगमों में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि डोर टू डोर कचरा कलेक्शन कार्य सफलता पूर्वक किया जा रहा है। इसके अलावा नागरिकों को यह भी बताया जा रहा है कि गिला कचरा व सुखा कचरा अलग-अलग डब्बे में डालकर नगर निगम के कचरा वाहन आने पर निगम कर्मचारी को दे। अगर गिला कचरा व सुखा कचरा अलग-अलग नहीं करने पर सख्त कार्यवाही किया जाएगा।

रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल में कर्म एवं पाली शिरोमणि पुरस्कार समारोह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में शिरोमणि पुरस्कार योजना के तहत उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय कार्य निष्पादन के लिए कर्म एवं पाली शिरोमणि पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इसी के तहत आरएसएम विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक हेमंत कुमार चंद्राकर को पाली शिरोमणि पुरस्कार से नवाजा गया तथा करतार दहिया, मास्टर टेक्नीशियन एवं प्रवीण कुमार देशमुख, ओसीटी को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस समारोह में महाप्रबंधक एन के खरे, एच आर मेघवाल, सुनील सोरते एवं अतुल दुबे मलिक, एस चट्टोपाध्याय सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण तथा कार्मिक उपस्थित थे।

समारोह में मुख्य महाप्रबंधक (आरएसएम एवं आरटीएस) तीर्थंकर दस्तीदार द्वारा स्मृती चिन्ह, प्रशस्ति पत्र एवं उनके जीवनसाथी के लिए प्रशंसा पत्र तथा मिठाई का कूपन देकर सम्मानित किया गया। शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित होने वाले सभी कर्मियों को बधाई देते हुए उनके कार्य के प्रति कर्मठ योगदान की प्रशंसा की।

पुरस्कृत कार्मिकों ने अपने उदगार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के पुरस्कार से उनका मनोबल बढ़ा है एवं उन्हें और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। कर्म शिरोमणि एवं पाली शिरोमणि पुरस्कार अपने कार्यस्थल में नवीनता, बेहतर संसाधनों का उपयोग एवं संगठनात्मक उद्देश्यों को पूरा करने, सुरक्षा के मानक मापदण्डों के साथ विभाग में उल्लेखनीय कार्य करने पर दिया जाता है।

कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वय अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी जसबीर सिंह ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजेश बाबु एवं भुवन साहू का सराहनीय योगदान रहा।

शिक्षण का औपचारिक ज्ञान, समर कैम्प में अनुभव ध्यान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सैद्धांतिक और पुस्तकीय ज्ञान को व्यवहारिक धरा पर विकसित करने के लिए 'शकुन्तला ग्रुप ऑफस्कूल्स' द्वारा संचालित शकुन्तला विद्यालय रामनगर, शारदा विद्यालय रिसाली सेक्टर एवं शारदा विद्यालय वैशाली नगर भिलाई ने अपने-अपने शाला में पॉच दिवसीय 'ग्रीष्मशिविर' का आयोजन किया। शिविर का प्रांरभ 26 अप्रैल 2023 को ग्रुप ऑफस्कूल्स के डायरेक्टर संजय ओझा जी ने अन्य प्रभारीगणों के साथ माता सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर जलेश की 'ऊर्जा मशाल' जलाकर किया।

तत्पश्चात् नन्हें कुमारों के साथ रंगबिरंगें गुब्बारों को उन्मुख गगन में छोड़ा। दिनांक 27.04.2023 से 02.05.2023 तक होने वाले इस समर कैम्प में भिन्न-भिन्न कलाओं की इन्द्रधुनष कक्षाएँ शुरू की गई जिसमें फनविद सांइस, थियेटर एंड ड्रामा, बागवानी, ब्यूटी एंड वेलनेस, हेरीटेज क्लब, आर्ट एंड क्राफ्ट, जुम्बा डांस, सात्विक व फायर लेस कुकिंग,, पोर्ट मेकिंग, मैथ्स मैजिक, डिजिटल वर्ल्ड, व्यक्तित्व विकास, आध्यात्म और नैतिकता, संगीत (वादन एवं गायन) शिक्षा एवं योग आसन के साथ, बाहरी क्रियाकलापों में स्केटिंग, कराते,, वॉलीबॉल, बेडमिंटन, वहीं किड्स जोन के नन्हें विद्यार्थियों ने भी अपनी उपस्थिति समर कैम्प में दर्ज कराई स्टोरी टेलिंग, ज्वैलरी मैकिंग, बेस्ट आउट द बेस्ट, मास्टर शेफ फनगेम आदि गुण सीखा एवं पूल पार्टी का मचा लिया।

02 मई 2023 को समर कैम्प का समापन हुआ जिसमें विद्यार्थियों ने विविध कक्षाओं में अर्जित ज्ञान की झॉकियाँ प्रस्तुत की साथ ही प्रज्जवलित मशाल को पूरी औपचारिकता के साथ अपने-अपने शाला प्राचार्यों द्वारा शांत किया गया। समरकैम्प समापन दिवस पर कई रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुतियों मस्ती व उल्लास का माहौल विद्यार्थियों के बीच बना रहा।

कार्यक्रम की पूर्णता पर डायरेक्टर संजय ओझा जी ने कहा कि 'व्यक्तित्व विकास के सभी आयाम विद्यालय पूर्ण कर रहा है, चाहे औपचारिक कक्षाएं हों या व्यवहारिक ज्ञान। सामाजिक रीतियाँ हो या पारम्परिक सीख। कला का विकास हो या कौशल की गहनता, आज छात्र सब कुछ शाला की चैखट में सीख रहे है। स्वस्थ रहने के लिए खेलकूद जीवन का अनिवार्य अंग है किन्तु खेलते समय सतर्कता आवश्यक है।' इस अवसर पर उन्होंने अगले तीन दिनों तक चलने वाले एडवेंचर स्पोर्ट्स एवं विद्यार्थियों की खुशी तथा मनोरंजन के लिए एक रात के एडवेंचर कैंप की भी घोषणा की।

शिविर समापन के इस उत्सव पर विद्यालय के प्राचार्य विपिन कुमार (शकुन्तला विद्यालय), मैनेजर ममता ओझा (शारदा विद्यालय रिसाली सेक्टर), व्ही दुबे, अभय दुबे, प्राचार्य सुतापा सरकार (शारदा विद्यालय रिसाली सेक्टर), आरती मेहरा, उपप्राचार्य जी. रंजना कुमार, अनिता नायर, हेडमिस्टेऊस पुष्पा सिंह, सीनियर मिस्टेऊस रेन्जिनी एम आर, बलजीत कौर एंव सीनियर एक्टिविटी इंचार्ज पूजा बब्बर, राजेश वर्मा, प्रतीक ओझा, वनिता ओझा ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। मंच संचालन और आभार प्रदर्शन की भूमिका अपने-अपने शाला के उच्च शिक्षकों एव विद्याथियों द्वारा किया गया।

हिर्री खदान के ठेका श्रमिकों और उनके पात्र परिजनों को मेडिकल सुविधा देने हेतु समझौता हस्ताक्षरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के हिर्री खदान के ठेका श्रमिकों और उनके पात्र परिजनों को मेडिकल सुविधा देने के लिए दल्ली राजहरा, नंदिनी की तरह हिर्री खदान में भी दिनांक 29 अप्रैल 2023 को आर बी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, बिलासपुर के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। हिर्री खदान में आयोजित इस संक्षिप्त और गरिमामय कार्यक्रम में प्रबंधन की ओर से मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (खदान एवं रावघाट) समीर स्वरूप, महाप्रबंधक (खदान) एवं अभिकर्ता हिर्री खदान श्री अनुपम बिष्ट, महाप्रबंधक (कार्मिक-गैर संकार्य एवं खदान) एस के सोनी तथा उप महाप्रबंधक सह खदान प्रबंधक (हिर्री खदान) सोमनाथ कुमार सिंह उपस्थित थे।

अस्पताल प्रबंधन की ओर से डायरेक्टर डॉ आर पी मिश्रा के अलावा इस अवसर पर हिर्री खदान के तीनों यूनियन एच एस ई यू (सीटू), एस के एम् एस (एटक), के एम् एस (बी एम् एस) के पदाधिकारी, कार्यरत ठेकेदार एवं ठेका श्रमिक उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि खदान क्षेत्र में ई एस आई लागू नहीं है, जिसके कारण ठेका श्रमिक और उनके पात्र परिजन मेडिकल सुविधा से वंचित रहते हैं, इस बात को संज्ञान में लेते हुए प्रबंधन द्वारा एक योजना शुरू की जिससे ठेका श्रमिक और उनके पात्र परिजनों को ओपीडी की नि:शुल्क सुविधा उक्त अस्पताल में दिनांक 1 मई 2023 से मिलेगी। कार्यक्रम के आरंभ में महाप्रबंधक (कार्मिक-गैर संकार्य एवं खदान) ने इस समझौते के बारे में विस्तार से जानकारी दी एवं ठेकेदारों तथा यूनियन प्रतिनिधियों के सवालों और शंकाओं का निराकरण किया। यह व्यवस्था अन्तर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस से प्रारम्भ हो जायेगी। आर बी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस बिलासपुर के डायरेक्टर श्री आर पी मिश्रा ने सभी ठेका श्रमिकों को बधाई देते हुए भिलाई इस्पात संयंत्र एवं खदान प्रबंधन के इस योजना की सराहना की एवं आश्वासन दिया कि आर बी प्रबंधन द्वारा इस योजना के कार्यान्वयन में पूर्ण सहयोग दिया जायेगा।

महाप्रबंधक (खदान) एवं अभिकर्ता (हिर्री खदान) अनुपम बिष्ट ने इस ऐतिहासिक समझौते के लिए बधाई देते हुए आर बी इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस एवं यूनियन पदाधिकारियों को समझौते को लागू करने में आवश्यक सहयोग तथा निरंतर सुधार के लिए कहा। मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (खदान एवं रावघाट) समीर स्वरूप ने सभी ठेका श्रमिकों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो रही है। इस्पात प्रबंधन ठेका श्रमिकों के कल्याण के लिए आगे भी बढ़ चढ़कर कार्य करेगा। इस अवसर पर सहायक महाप्रबंधक मिलिंद सहारे, अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी हेमंत भुआर्य, सीटू के अध्यक्ष मंतोष सेन, उपाध्यक्ष पार्था चटर्जी, एस के एम एस यूनियन के अध्यक्ष अशोक पाटले, के एम एस के अध्यक्ष पवन कुमार वर्मा, सचिव प्रत्युषकान्त त्रिवेदी, कार्यकारी अध्यक्ष श्री पृथ्वी सहगल, क्रसिंग संयंत्र ठेकदार प्रतिनिधि संदीप साहनी, ठेकदार प्रतिनिधि पासवान सत्करतार, अन्य पदाधिकारी सहित ठेका श्रमिक रमेश साहू, सुरेश जोशी, कलीराम, शिशुपाल, नारायण रजक, अशोक साहू, कुलेश्वर साहू, नरेश साहू, कुशल, अकरम, राउफखान, हरिसिंह, शिवा, सेवक राम एवं अनिल उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का सफल संचालन सहायक प्रबंधक एस के नायक ने किया और सोमनाथ कुमार सिंह ने इस ऐतिहासिक समझौते के लिए प्रबंधन का धन्यवाद करते हुए सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

मितान योजना को 1 वर्ष पूरे

शहर के 8242 हितग्राहियों को मिला घर पहुंच प्रमाण पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मितान योजना के 1 वर्ष पूरे हो चुके हैं अब तक 8242 लोगों को घर पहुंच सेवा इसके तहत मिल चुकी है इन हितग्राहियों ने केवल टोल फ्री नंबर 14545 का इस्तेमाल किया था और इन्हें त्वरित रूप से घर पहुंच कर प्रमाण पत्र की सेवा मिल चुकी है। मुख्यमंत्री मितान योजना के 1 वर्ष पूर्ण होने पर श्रीमती चंदा सिंह को उनके निवास स्थान पर निवास प्रमाण पत्र तथा योगेश यादव को आय प्रमाण पत्र उनके निवास स्थान पर जाकर मितान के तहत उपलब्ध कराया गया।

मितान योजना में अब राशन कार्ड को भी शामिल करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इस प्रकार से मितान योजना में 17 प्रकार की सेवाएं हो जाएंगी। महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त रोहित व्यास ने इस योजना का अधिक से अधिक लाभ लोगों को दिलाने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

निगम की अपील है कि मितान योजना के माध्यम से विवाह प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र में सुधार, जन्म प्रमाण पत्र, दुकान एवं स्थापना पंजीयन, जन्म प्रमाण पत्र में सुधार, विवाह प्रमाण पत्र में सुधार, 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का आधार कार्ड, पैन कार्ड, आधार नंबर में मोबाइल अपडेशन, निवास प्रमाण पत्र, एससी एसटी प्रमाण पत्र, ओबीसी प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र जैसे अन्य प्रमाण पत्र एवं जरूरी सेवाओं का लाभ लेने के लिए 14545 टोल फ्री नम्बर पर संपर्क करे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950